RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, मंगलवार ●13 फरवरी , 2024 वर्षः-11 अंक - 286 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

श्रीलंका और मॉरीशस में भी चलेगा 'भारत का सिक्का'

पीएम मोदी ने यूपीआई किया लॉन्च

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत का यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (पीआई) ग्लोबल होता जा रहा है और कई देशों ने इसे अपनाने में दिलचस्पी दिखाई है। अब इसका और विस्तार हो गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका और मॉरीशस में यूपीआई सर्विस को लॉन्च कर दिया है। अब श्रीलंका और मॉरीशस के लोग भी अपने-अपने यहां इनका इस्तेमाल कर पाएंगे। जबकि मॉरीशस के लोग भारत में भी यूपीआई पेमेंट कर पाएंगे। वहीं भारत के लोग दोनों देशों में पीआई के जरिए पेमेंट कर सकेंगे। हाल ही फ्रांस में भी यूपीआई सर्विस की शुरूआत हुई है। अब लोग यूपीआई के जरिए एफिल टावर के लिए टिकट बुक कर सकेंगे।

श्रीलंका के राष्ट्रपति और मॉरीशस के प्रधानमंत्री मौजूद- वीडियो कॉफ्रेंसिंग के जरिए हुए कार्यक्रम में पीएम मोदी के साथ श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जुगनौथ के साथ तीनों देशों के सेंट्रल बैंक के गवर्नर भी मौजूद थे।

मॉरीशस में रूपा 4 कार्ड सर्विस भी लॉन्च

पीएम मोदी मॉरीशस में यूपीआई सर्विस के साथ रुपा 4 कार्ड सर्विस भी लॉन्च किया है, अब मॉरीशस के बैंक अपने यहां रुपा4 मैमेनिज्म पर बेस्ड कार्ड जारी कर पाएंगे। इससे दोनों देशों के लोग अपने देश के साथ-साथ एक-दूसरे के यहां भी इन कार्ड्स के जरिए मिलने वाली सेवाओं का इस्तेमाल कर पाएंगे।

2 फरवरी को फ्रांस में लॉन्च किया था

फ्रांस में भारतीय दूतावास ने 2 फरवरी को पेरिस के एफिल टावर पर यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस को औपचारिक रूप से लॉन्च किया था।

बिहार में नीतीश सरकार ने हासिल किया विश्वासमत, विपक्ष ने किया वॉकआउट

● सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग, समर्थन में 129 वोट ● सीएम नीतीश ने याद दिलाया जंगलराज ● तेजस्वी ने कहा-मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं?

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े। विपक्ष में एक भी वोट नहीं पड़ा। इससे पहले विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान सदन में मुख्यमंत्री जैसे ही बोलने के खड़े हुए तो आरजेडी विधायक हंगामा करने लगे। नीतीश कुमार ने गुस्से में कहा कि लोग मुझे सुनना नहीं चाहते तो वोटिंग करवाइए। नीतीश ने तेजस्वी के माता-पिता का जंगलराज याद दिलाया। सदन में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने कहा कि मोदी जी की गारंटी वाले बताएंगे क्या कि मुख्यमंत्री फिर पलटेंगे या नहीं?

भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है: तेजस्वी- तेजस्वी ने कहा, मैं खुश हूं कि कर्पूरी ठाकुरजी को भारत रत्न दिया गया। भाजपा ने भारत रत्न को डील बना दिया है। आप हमारे साथ आइए और हम आपको भारत रत्न देंगे। तेजस्वी ने फ्लोर टेस्ट से पहले ही कह दिया-आज बोलने दीजिए, कल से हम जनता के बीच रहेंगे। स्पीच के दौरान तेजस्वी जिंदाबाद के नारे लगे। विधानसभा के बाहर हंगामा कर रहे आरजेडी कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज भी किया गया।

इससे पहले अविश्वास प्रस्ताव पास कर स्पीकर अवध बिहारी चौधरी को हटा दिया गया। स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में 125 और विपक्ष में 112 वोट पड़े।

नीतीश सरकार के समर्थन में 129 वोट पड़े : बिहार विधानसभा में सोमवार को नीतीश सरकार ने फ्लोर टेस्ट पास कर लिया। वोटिंग से पहले ही विपक्ष ने वॉकआउट कर दिया था। सत्ता पक्ष की मांग पर वोटिंग करवाई गई। इसमें समर्थन में 129 वोट पड़े।

नीतीश बोले- पुरानी जगह पर आ गया हूं- हम सबको एकजुट कर रहे थे, उसमें कुछ हुआ। और हमको पता चला कि कांग्रेस पार्टी भी डर रही है। और इनके पिताजी भी उनके साथ थे। तब हम पुरानी जगह पर आ गए। अब सब दिन के लिये आ

गए हैं। किसी का नुकसान नहीं करेंगे।

तेजस्वी ने पूछा- नीतीश जी एक बार बता तो देते कि नहीं रहना चाहते- तेजस्वी ने सदन में कहा- मोदी जी की गारंटी मजबूत वाली है। क्या मोदी जी गारंटी लेंगे कि नीतीश जी पलटेंगे कि नहीं। खैर हमको चिंता नहीं है। आपलोगों की खूब जोड़ी है। लगे रहिए। नीतीश जी एक बार बता तो देते कि नहीं रहना चाहते। कम से कम बुला कर एक बार बोल देते। हम आपको कभी कुछ कहे हैं।

भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ

● हमें अभी से मिलने लगी खुशखबरी: सीएम ● भाजपाध्यक्ष वीडी ने कहा- हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाना हमारा लक्ष्य

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश भाजपा कार्यालय में लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ किया। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

कार्यालय के शुभारंभ के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, मैं दोहरी खुशी के मौके पर शामिल हुआ हूं। भाजपा के लोकसभा कार्यालय का शुभारंभ हुआ। अभी अभी समाचार मिला है कि चारों जिला पंचायत अध्यक्ष हमारी भाजपा के जीते हैं। जनसंघ के जमाने से हमारा जो बढ़ा विषय धारा 370 का था। उसे समाप्त किया है।

भाजपा ने 7 कलस्टर में बांटी 29 लोकसभाएं

बीजेपी ने एमपी की 29 लोकसभा सीटों को 7 कलस्टर में विभाजित किया है। जिसमें भोपाल, जबलपुर, रीवा, इंदौर, सागर, ग्वालियर और उज्जैन शामिल हैं। एमपी बीजेपी के बड़े नेताओं को इन कलस्टरों का प्रभारी बनाया गया था। लेकिन लोकसभा कलस्टर के प्रभारियों में बदलाव किया गया है। आज ग्वालियर कलस्टर में भूपेंद्र सिंह को इंचार्ज बनाया गया, जबकि भोपाल कलस्टर को अब राजेंद्र शुक्ला देखेंगे, वहीं सागर कलस्टर के प्रभारी नरोत्तम मिश्र होंगे। इसी तरह प्रह्लाद पटेल- रीवा, कैलाश विजयवर्गीय-जबलपुर, विश्वास सारंग-उज्जैन, जगदीश देवड़ा-इंदौर के इंचार्ज बनाए गए हैं।

प्रदेश में टैक्स का कोई नया प्रस्ताव नहीं

● वित्त मंत्री बोले-4 महीने के खर्च के लिए अंतरिम बजट; मोदी की गारंटी पर हो रहा काम

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश विधानसभा में सोमवार को डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया। यह बजट एक लाख 45 हजार करोड़ रुपए का है। जिसमें विभागों को अप्रैल से जुलाई 2024 तक विभिन्न योजनाओं में खर्च के लिए राशि आवंटित की गई है।

लेखानुदान में टैक्स के नए प्रस्ताव नहीं है। ना ही खर्च की कोई नई मद शामिल है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा, प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर काम कर रही है। लेखानुदान की प्राप्त राशि जुलाई में पेश होने वाले पूर्ण बजट में शामिल की जाएगी। अंतरिम बजट पर 13 फरवरी को चर्चा होगी। इसके लिए 4 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने साल 2024-25 आय-व्यय का लेखानुदान यानी अंतरिम बजट पेश किया।

देवड़ा बोले- बजट में कोई नई योजना नहीं

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने कहा, चार महीने के खर्चे के लिए अंतरिम बजट लाया जा रहा है। इसमें सभी वर्गों को ध्यान में रखा है। इस बजट में कोई नई योजना नहीं है।

कांग्रेस नेताओं को इनकम टैक्स विभाग के नोटिस की रही चर्चा- कांग्रेस नेताओं को मिले इनकम टैक्स के नोटिस की चर्चा भी विधानसभा परिसर में रही। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा- भाजपा सरकार कांग्रेस नेताओं को ब्लैकमेल कर रही है। कांग्रेस विधायक विक्रांत भूरिया बोले, हम गांधी के लोग हैं, गोडसे के नहीं.. जो माफीनामा लिख दें। हम पेश होंगे और जवाब देंगे।

राज्यपाल के अभिभाषण पर सीएम डॉ. मोहन यादव का जवाब, ये उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहां हुआ?- मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा- चाहे पक्ष हो या नेता प्रतिपक्ष हो। यह बात समझ नहीं आई कि यह उप नेता प्रतिपक्ष का आविष्कार कहां हुआ है। सीएम की बात पर उप नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि विधानसभा में पारित हुआ है। अगर आपको जरूरत हो तो मैं उपलब्ध करा दूंगा।

लेखानुदान में किसके लिए कितनी राशि ?

● किसानों के लिए 9588 करोड़ रुपए ● महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए 9360 करोड़ रुपए ● हेल्थ डिपार्टमेंट के लिए 5417 करोड़ रुपए ● नगरीय विकास विभाग के लिए 4654 करोड़ रुपए ● आदिवासी कल्याण के लिए 4287 करोड़ रुपए ● धार्मिक न्यास के लिए 39 करोड़ रुपए ● सामाजिक न्यास के लिए 1820 करोड़ रुपए ● ग्रामीण विकास विभाग के लिए 5100 करोड़ रुपए ● अनुसूचित जाति विभाग के लिए 787 करोड़ रुपए ● ओबीसी और अल्प संख्यक कल्याण के लिए 514 करोड़ रुपए ● लोक निर्माण विभाग के लिए 3132 करोड़ रुपए ● स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 11674 करोड़ रुपए ● श्रम विभाग के लिए 391 करोड़ रुपए

रावण का किरदार निभाया, मंच से उतरते ही मौत

कॉस्ट्यूम चेंज करते वक्त सीने में उठा दर्द, डॉक्टर बोले-हार्ट अटैक के लक्षण थे

टीकमगढ़ (एजेंसी)। टीकमगढ़ में रामलीला में रावण का किरदार निभाने वाले कलाकार की मौत हो गई। इवेंट खत्म होने के बाद कपड़े बदलते के दौरान उसके सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद साथी उसे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना शनिवार रात की है। जिसकी जानकारी आयोजन समिति ने एक दिन बाद दी। बताया गया कि रामलीला खत्म होने के अगले दिन रविवार को भंडारा था। ऐसे में कलाकार की मौत की खबर से माहौल बिगड़ सकता था, इसीलिए उनका इलाज जारी रखने की बात कह दी गई। मामला दिगौड़ा थाना क्षेत्र के चैनपुरा बछोड़ा गांव का है। गांव के मड़िया बाबा मंदिर में 2 से 10 फरवरी तक महायज्ञ, भागवत कथा, संत सम्मेलन और रामलीला का आयोजन किया गया था। 10 फरवरी की रात करीब 2 बजे रामलीला के अंतिम दिन रावण वध का मंचन हुआ।

रात करीब दो बजे रावण का किरदार निभाने वाले भोले राजा ड्रेसिंग रूम में चले गए। कपड़े उतारने के दौरान भोले को सीने में दर्द होने लगा। वे नीचे बैठ गए। दर्द बढ़ता गया तो उन्होंने साथी कलाकारों को आवाज लगाई। वे निजी वाहन से भोले को जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। खिसनी गांव के रहने वाले भोले राजा रामलीला में रावण का किरदार निभा रहे थे।

सीएम के मुख्यमंत्री केजरीवाल व पंजाब के सीएम भगवंत मान ने सपरिवार किए रामलला के दर्शन

अयोध्या (एजेंसी)। दिल्ली व पंजाब के मुख्यमंत्रियों ने अपने परिजनों के साथ सोमवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन किए। इसके एक दिन पहले यूपी के विधायकों-मंत्रियों व मुख्यमंत्री ने रामलला के दरबार में माथा टेका। सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अयोध्या में अपने परिजनों संग रामलला के दर्शन किए। राम मंदिर के निर्माण के साथ ही अयोध्या नित नए आयाम गढ़ रही है। हर रोज लाखों की संख्या में रामलला के दर्शन करने के लिए आ रहे हैं। रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी पूरी कैबिनेट के साथ अयोध्या पहुंचे थे। उनके साथ सत्ता पक्ष व विपक्ष के 330 विधायक मौजूद थे। यह पहला मौका था जब किसी प्रदेश के मुख्यमंत्री अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ रामलला का दर्शन करने पहुंचे थे।

रविवार को अयोध्या जाने वालों में भाजपा के 296, अपना दल एस के 13, रालोद के पांच, बसपा व कांग्रेस का एक-एक विधायक, निषाद पार्टी के छह और सुभासपा के पांच विधायक शामिल रहे।

भोपाल में 50 से अधिक किसान हिरासत में

कोर कमेटी मेंबर शांता कुमार की पत्नी घायल; आंदोलन में शामिल होने जा रहे थे दिल्ली

भोपाल (एजेंसी)। 13 फरवरी को दिल्ली में किसान संगठनों के आंदोलन में शामिल होने जा रहे 50 से अधिक किसानों को भोपाल में कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारकर हिरासत में लिया गया है। देर रात को सभी किसानों को एक मैरिज गार्डन में रखा गया। सुबह होते ही किसानों ने छत पर पहुंचकर नारेबाजी शुरू कर दी। बाद में धरने पर भी बैठ गए। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ भोपाल से जुड़े ओम प्रकाश राजौरिया ने बताया कि मध्य प्रदेश में कम से कम 150 किसानों को गिरफ्तार किया गया है। जो किसान खेतों में पानी दे रहे थे। उन्हें पकड़कर ले गए। घर पर महिलाओं से पुलिस ने अभद्रता की है। हमें अपने लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

कर्नाटक एक्सप्रेस से उतारे गए किसानों में राष्ट्रीय संयुक्त किसान मोर्चा की कोर कमेटी के सीनियर मेंबर बी शांता कुमार की पत्नी को भी उतारा गया है। उनकी पत्नी को ट्रेन में घसीटा गया है। उनके सिर में चोट लगी है। उन्हें देर रात इलाज के लिए 1250 हॉस्पिटल (जेपी हॉस्पिटल) भेजा गया। जहां से हमीदिया रैफर किया गया था। बाद में उन्हें मैरिज गार्डन भेज दिया गया। बी. शांता कुमार चंडीगढ़ में थे, वे भी आंदोलन छोड़कर भोपाल आ रहे हैं। वहां मौजूद लोगों से मिलने नहीं दिया जा रहा है।

किसान नेता ने कहा- हम 70 लोग जा रहे थे दिल्ली

हिरासत में लिए गए किसान नेता परशुराम धारावाड़ ने बताया कि हम 70 किसान बेंगलुरू-निजामुद्दीन (कर्नाटक संपर्क क्रांति) एक्सप्रेस से दिल्ली जा रहे थे। इनमें 25 महिलाएं और 45 पुरुष शामिल हैं। हम कर्ज माफ, एमएसपी गारंटी कानून जारी करना, स्वामीनाथन की रिपोर्ट लागू कराने जैसी मांगों को लेकर किसान आंदोलन में शामिल होने वाले थे। इससे पहले भोपाल में हमें हिरासत में ले लिया गया।

इसलिए पुलिस ने उतारा ट्रेन से- दिल्ली में किसान आंदोलन की घोषणा हरियाणा और पंजाब के किसान संगठनों ने की है। रविवार रात को भोपाल पुलिस को कर्नाटक एक्सप्रेस से 50 से ज्यादा किसानों के दिल्ली जाने की सूचना मिली थी।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, मंगलवार 13 फरवरी , 2024

संक्षिप्त समाचार

गर्भवती महिलाओं व बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर दवाएं दी गई

हरदा (निप्र)। जिला अस्पताल में भर्ती बैरागढ़ दुर्घटना के घायल मरीजों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है। सिविल सर्जन डॉ. मनीष शर्मा ने बताया कि सभी घायलों के स्वास्थ्य पर सतत नजर रखी जा रही है। इसके अलावा रविवार को स्वास्थ्य विभाग के 4 दलो द्वारा विस्फोट की दुर्घटना प्रभावित क्षेत्र का सर्वे कार्य कराया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एच पी सिंह ने बताया कि कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर सर्वे दल में शहरी क्षेत्र की समस्त आशा कार्यकर्ता ,महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं आंगनवाडी कार्यकर्ता द्वारा संयुक्त रूप से भ्रमण कर 183 घरो का सर्वे किया गया। सर्वे के दौरान 15 गर्मवती महिलाएं चिन्हित कर उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसके अलावा क्षेत्र के 113 बच्चो को विटामिन ए की दवा पिलाई गई साथ ही आसपास के क्षेत्र के 183 घरों में ओ आर एस के पेकेट का वितरण किया गया।

विस्फोट की दुर्घटना में घायल पशुओं का इलाज लगातार जारी है

हरदा (निप्र)। उपसंचालक पशु चिकित्सा ने बताया कि कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर विस्फोट की दुर्घटना से प्रभावित पशुओं के उपचार की व्यवस्था की जा रही है। रविवार को पशु चिकित्सा विभाग के दल द्वारा दुर्घटना में घायल गाय, भैंस व बकरी का उपचार किया गया। उप संचालक पशु चिकित्सा श्री एस.के. त्रिपाठी ने बताया कि विभाग की एम्बूलेंस को भी पशुओं के उपचार के लिये चिकित्सा दल के साथ भेजा गया तथा जले हुए पशुओं का उपचार किया गया। उन्होने बताया कि प्रतिदिन सुबह व शाम दो बार पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया जा रहा है।

राहत शिविर में निवासरत बच्चों की पढ़ाई शुरू

हरदा (निप्र)। कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने बैरागढ़ दुर्घटना के पीड़ित परिवारों के बच्चों को आईटीआई कॉलेज में बनाये गये राहत शिविर में ही पढ़ाने के निर्देश जिला शिक्षा अधिकारी व डीपीसी को दिये है, जिस पर रविवार से ही शासकीय शिक्षकों एवं जन अभियान परिषद के कार्यकर्ताओं ने वहां के बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। जिला परियोजना समन्वयक श्री एस.पी.एस. जाटव ने बताया कि छोटी कक्षाओं के बच्चों को तो राहत शिविर में ही पढ़ाया जा रहा है तथा मिडिल स्कूल व बड़ी कक्षाओं के बच्चों को पढ़ाने के लिये महर्षि कान्वेन्ट स्कूल ने सहमति दी है। सोमवार से उनके स्कूल का वाहन बच्चों को शिविर से ले जाएगा तथा पढ़ाने के बाद वापस शिविर में छोड़ देगा।

कलेक्टर श्री दुबे ने की जल जीवन मिशन के कार्यो की समीक्षा, कार्य नहीं करने वाले ठेकेदारों को टर्मिनेट करने के दिए निर्देश

रायसेन (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की जल जीवन मिशन की बैठक कलेक्टर श्री अरविंद दुबे की अध्यक्षता में गत दिवस सम्पन्न हुई। कलेक्टर श्री दुबे ने जिले में संचालित जल जीवन मिशन के कार्यो की विस्तृत समीक्षा करते हुए प्रगतिरत योजनाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि जिन योजनाओं में 75 से 90 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो गया है, उन्हें 15 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से पूर्ण कर लिया जाए। साथ ही कम प्रगति वाली योजनाओं में संबंधित ठेकेदारों को नोटिस देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन ठेकेदारों द्वारा कार्य नहीं किया जा रहा है, उन्हें टर्मिनेट करने की कार्यवाही की जाए।

लाड़ली बहना योजना से मिली राशि से शाहीन ने बच्चों के लिए खरीदा स्कूल का समान

सीहोर (निप्र)। मुख्यमंत्री लाडली बहना योजना चलाकर प्रदेश की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने वाली यह योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। यह कहना है सीहोर की धोबी गली निवासी श्रीमती शाहीन का। लाडली बहना योजना के तहत प्राप्त हुई राशि से श्रीमती शाहीन ने अपने बच्चों के लिए स्कूल बैग और किताबें खरीदी है। शाहीन बताती है कि लाडली बहना योजना के तहत मिली राशि निश्चित ही हम बहनों की जिंदगी को सवारने का काम कर रही है। मैं लाडली बहना योजना की राशि को अपने बच्चों और परिवार की जरूरतों को पूरा करने में उपयोग करूँगी।

कांग्रेस के जिला अध्यक्ष, पूर्व विधायक, पूर्व मंडी उपाध्यक्ष एवं जनपद अध्यक्ष सहित आधा दर्जन नेताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

भोपाल। विदिशा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष राकेश कटारे, टीकमगढ़ के पूर्व विधायक दिनेश अहिरवार, छतरपुर के पूर्व मंडी उपाध्यक्ष कैलाश द्विवेदी, गौरिहार जनपद अध्यक्ष श्रीमती तुलसी अनुरागी, आशीष द्विवेदी एवं अनिल दीक्षित सहित आधा दर्जन नेताओं ने बीजेपी प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष व सांसद वीडी शर्मा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा एवं वरिष्ठ नेता व विधायक भूपेन्द्र सिंह के समक्ष पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

नाबार्ड के उप प्रबंधक ने परियोजनाओं का भ्रमण व निरीक्षण किया

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले में नाबार्ड के माध्यम से संचालित महत्वपूर्ण परियोजनाओं का नाबार्ड के उप महाप्रबंधक श्री एससी साहू ने भ्रमण कर जायजा लिया। इस दौरान जिला विकास प्रबंधक श्रीमती जगप्रीत कौर भी साथ मौजूद रही। नाबार्ड के उप प्रबंधक श्री साहू ने सिरोंज विकासखण्ड में नाबार्ड के माध्यम से संचालित हो रहे गैर वाटरशेड परियोजना का स्थलीय भ्रमण किया।

जिला विकास प्रबंधक श्रीमती कौर ने बताया कि नाबार्ड के द्वारा सिरोंज विकासखण्ड के चार गांव तरवरिया, छापू, रेछान, फजलपुर में विकासात्मक क्रियान्वित गतिविधियों का स्थलीय जायजा लिया साथ ही साथ ग्राम विकास समिति के माध्यम से संपादित किए जाने वाले कार्यो के तहत गेबियन, सीसीटी का निर्माण, पौधरोपण, प्राकृतिक खेती, तालाब का निर्माण, मल्टी लेयर फार्मिंग, पशु चटाई के अलावा वरमी कम्पोस्ट डेमोंस्टेउशन यूनिट, खेती में माइक्रोन पॉलिथिन शीट बिछाई जाने, ड्रिप सिंचाई, बकरी पालन, मुर्गापालन, संकर भैंस की आपूर्ति एवं

दुग्ध डेयरी केन्द्र की स्थापना के लिए किए जा रहे प्रबंधो का जायजा लिया। इस दौरान परियोजनाओं से लाभांवित होने वाले हितग्राहियों से मौके पर रूबरू होकर जानकारियां प्राप्त की है। नाबार्ड के उप प्रबंधक श्री साहू ने विदिशा विकासखण्ड में पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में क्रियान्वित सॉर्टड सीमेन के माध्यम से उन्नत मादा कचरो के प्रजनन हेतु गांव में उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी जानकारियां भ्रमण के दौरान प्राप्त की है। उनके द्वारा करीला एग्रो फार्मर प्रोडयूसर कंपनी लिमिटेड, डेयरी एफपीओ का निरीक्षण किया गया। भ्रमण के दौरान लीड़ बैंक आफीसर श्री नरेश कुमार मेघानी भी मौजूद रहें।

गौरतलब हो कि डेयरी एफपीओ उत्पादक संगठन का गठन को नाबार्ड से सहायता प्राप्त हुई है इस परियोजना में 511 मेम्बर जुड़े है। उत्पादक संगठन के सात दुग्ध केन्द्र संचालित हो रहे है। इन केन्द्रो का प्रबंधन एफपीओ द्वारा ही किया जा रहा है जहां पहले किसान अपना दूध 22 से 25 रूपए प्रति लीटर बिचौलियों को बेचते थे अब उनका दूध फेट के आधार पर एफपीओ द्वारा संचालित दुग्ध केन्द्रो पर सुगमता से विक्रय हो रहा है और दुग्ध पशुपालक किसानो को अपने दुग्ध का उचित मूल्य समय पर प्राप्त हो रहा है।

स्वामित्व योजना तहत अधिकार अभिलेख पत्र मिलना खुशी का दिन : हितग्राही श्रीमती राधाबाई

विदिशा (निप्र)। विदिशा जिले के उदयगिरि स्थित सुनपुरा ग्राम पंचायत में निवासरत श्रीमती राधाबाई कुशवाहा (मोबाइल 9039267214) प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद दे रही हैं स्वामित्व योजना तहत लाभान्वित हो जाने पर उन्हें जब अधिकार अभिलेख पत्र प्राप्त हुआ तो उन्होंने कहा कि वर्षों से जिस जमीन पर निवास कर रहे थे उसका कोई दस्तावेज नहीं था लेकिन आज शासन की स्वामित्व योजना तहत अधिकार अभिलेख पत्र के माध्यम से उन्हें और उनके परिवार को उस जमीन का मालिकाना हक मिल गया है। उन्होंने इस योजना की काफी प्रशंसा की है वह कहती है कि वर्षों से जमीन पर अस्थाई रूप से रह रहे गरीबों को जमीन का पट्टा मालिकाना हक मिल जाना लाभार्थियों के लिए खुशी का दिन है।गौरतलब हो कि स्वामित्व योजना तहत मलिकाना हक मिल जाने पर अब हितग्राही अधिकार अभिलेख पत्र के माध्यम से बहुत से लाभ प्राप्त कर सकेंगे बैंकों से ऋण प्राप्त करने में भी उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं आएगी।

स्वामित्व योजना ने दिलाया मालिकाना हक

सन 1965 से हमारे पूर्वज विदिशा जिले के उदयगिरि स्थित सुनपुरा ग्राम पंचायत में जिस जमीन पर निवास कर रहे थे उस जमीन पर हमारे पूर्वजों का कोई हक नहीं था ना ही कोई शासकीय दस्तावेज उनके पास उपलब्ध था लेकिन आज 59 वर्ष उपरांत जमीन का मालिकना हक मिलना बड़े गौरव का विषय है... यह कहना है केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना से लाभान्वित हितग्राही श्री मनीष कुशवाहा का। वह कहते हैं कि 1965 से उनके पूर्वज यहां निवास कर रहे हैं आज इतने वर्ष बीत जाने के बाद हमें जमीन का मालिकाना हक मिला है उन्होंने स्वामित्व योजना की प्रशंसा करते हुए कहा कि इस योजना ने गरीबों को जमीन का मालिकाना हक दिलाया है अब बिना किसी फिक्र के इस जमीन पर निवास कर सकेंगे क्योंकि शासकीय दस्तावेज अधिकार अभिलेख पत्र शासन की स्वामित्व योजना ने प्रदाय किया है। लाभान्वित हितग्राही श्री मनीष कुशवाहा ने स्वामित्व योजना के लिए प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री जी के साथ-साथ जिला प्रशासन द्वारा योजना का लाभ दिलाए जाने के लिए आभार प्रकट किया है। गौरतलब हो कि केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना तहत अधिकार अभिलेख पत्र गरीब हितग्राहियों को मिल जाने से अब उन्हें बहुत प्रकार के लाभ प्राप्त होंगे बैंक से ऋण प्राप्त करने के लिए भी अधिकार अभिलेख पत्र के माध्यम से लोन मिलने की कार्यवाही में भी किसी प्रकार की कोई बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

विधायक डॉ चौधरी ने स्वामित्व योजना के हितग्राहियों को प्रदान किए भू-अधिकार पत्र ग्राम पंचायत गिरवर तथा बारला में आयोजित कार्यक्रम में हुए शामिल

रायसेन (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायतों में रविवार को स्वामित्व योजना अंतर्गत ग्रामीण आबादी क्षेत्र में निवासरत ग्रामीणों को भू-अधिकार पत्र का वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। रायसेन तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत गिरवर तथा बारला में विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में स्वामित्व योजना अंतर्गत भू-अधिकार पत्र वितरण कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम में उन्होंने अनेक हितग्राहियों को भू-अधिकार पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि आज झाबुआ जिले में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मुख्य आतिथ्य में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में स्वामित्व योजना के लाभार्थियों को भू-अधिकार पत्र वितरित किए गए हैं। यहां आयोजित कार्यक्रम में गरीबों को, जिस जमीन पर वह वर्षो से रह रहे हैं उसके भू-अधिकार पत्र वितरित किए जा रहे हैं। स्वामित्व योजना से गरीबों को भूमि का मालिकाना हक मिल रहा है। स्वामित्व योजना के ऐसे हितग्राही जिन्हें ऋण की आवश्यकता है, वह अपनी भूमि को बंधक के रूप में प्रयोग कर बैंक से ऋण भी कर सकते हैं। विधायक डॉ चौधरी ने केन्द्र और प्रदेश सरकार की अनेक योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में गरीबों के कल्याण और आर्थिक विकास के लिए चलाई जा रहीं योजनाओं का सभी जरूरतमंदों और पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया जा रहा है। विधायक डॉ चौधरी ने क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यो का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम स्थल पर झाबुआ जिले में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम का लाईव प्रसारण भी देखा गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्री राजेन्द्र बघेल, अपर कलेक्टर श्री अभिषेक दुबे, एसडीएम श्री मुकेश सिंह सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

किसान नेताओं की गिरफ्तारी की कड़ी भर्त्सना, तत्काल रिहाई की मांग

भोपाल। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने मध्य प्रदेश में विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं की अकारण गिरफ्तारी की कड़ी भर्त्सना करते हुए उन्हें तत्काल रिहा करने की मांग मध्य प्रदेश सरकार से की है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मध्य प्रदेश राज्य सचिव कामरेड अरविन्द श्रीवास्तव और राज्य सह सचिव कामरेड शैलेन्द्र शैली ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि मध्य प्रदेश में भाजपा की सरकार द्वारा विभिन्न किसान संगठनों के नेताओं को अकारण गिरफ्तार किया गया है।

आगामी 16 फरवरी को किसानों के देशव्यापी आंदोलन को दबाने के लिए इस तरह का तानाशाहीपूर्ण रवैया जारी है। मध्य प्रदेश में तो अभी इस आंदोलन की घोषणा भी नहीं की गई है लेकिन उसके पूर्व ही दमन की कार्रवाई की जा रही है। यह भाजपा सरकार की फासीवादी प्रवृत्तियों का एक और उदाहरण है।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी इसकी कड़ी भर्त्सना करती है। इस अन्याय और अत्याचार का कड़ा विरोध किया जायेगा। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने गिरफ्तार किसान नेताओं को तत्काल ही रिहा करने की मांग मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से की है।

राजस्व मंत्री श्री वर्मा सीहोर में आयोजित धनगर समाज के कार्यक्रम में हुए शामिल

सीहोर (निप्र)। राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा सीहोर में आयोजित धनगर समाज के कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि धनगर समाज की रानी अहिल्याबाई न्यायप्रियता, वीरता एवं सुशासन के लिए जानी जाती हैं। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि प्रदेश में लोगों को अपने राजस्व संबंधी कामों के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए हर काम की हमने समय सीमा तय कर दी है । सभी राजस्व संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए है कि लोगों के काम तय समय सीमा में किए जाएं । उन्होंने कहा कि प्रदेश में राजस्व महाअभियान चलाया जा रहा है। सभी राजस्व अधिकारी सकारात्मक सोच एवं सेवाभाव के साथ राजस्व संबंधी प्रकरणों का

जल्द से जल्द निराकरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नागरिकों को अब नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के लिए तहसील न जाने पड़ ,इसके लिए अब पटवारी लोगों के राजस्व संबंधी कामों के लिए निर्धारित तिथि और समय पर गाँवों में उपस्थित हो रहे है। राजस्व मंत्री श्री वर्मा ने धनगर समाज के भवन के लिए 5 लाख रुपए की राशि देने की घोषणा की । उन्होंने बताया कि सागोनी से इछावर तक डामर रोड़ बनेगा। इस अवसर पर धनगर समाज के प्रदेश अध्यक्ष श्री ज्ञानसिंह बघेल सहित समाज के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे ।

लोकसभा चुनाव 2024 में ऐतिहासिक विजयश्री की मनोकामना के साथ हुई चुनाव प्रबंधन कार्यालय की शुरुआत

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय में सोमवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद विष्णुदत्त शर्मा, लोकसभा चुनाव के प्रदेश प्रभारी डॉ. महेन्द्र सिंह, सह प्रभारी सतीश उपाध्याय एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद, वरिष्ठ नेता प्रभात झा, प्रदेश शासन के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, वरिष्ठ नेता डॉ. नरोत्तम मिश्रा, वरिष्ठ नेता एवं विधायक भूपेन्द्र सिंह, वरिष्ठ नेता रघुनंदन शर्मा, प्रदेश शासन के मंत्री डॉ. विश्वास सारंग सहित वरिष्ठ नेतृत्व ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन व कन्यापूजन कर लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ किया। साथ ही वरिष्ठ नेताओं ने भगवान से 2024 के लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की 29 में से 29 सीटें जीतकर ऐतिहासिक विजय की कामना की। चुनाव प्रबंधन कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर पार्टी के कई पदाधिकारी व वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

प्रदेश की सभी 29 लोकसभा जीतने का लक्ष्य - डॉ. मोहन यादव

लोकसभा चुनाव प्रबंधन कार्यालय का शुभारंभ करने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि उत्साह, उमंग और दोहरी खुशी के साथ पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं के साथ प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों को जीतने का संकल्प लिया गया है। बड़ी खुशी की बात है कि आज चारों जिला पंचायत अध्यक्ष पद पर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता विजयी हुए हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने झाबुआ में लोकसभा चुनाव का शंखनाद करते हुए जीत का जो मंत्र दिया है, उसे भाजपा के हम सभी कार्यकर्ता पूरा करने के लिए प्राणपण से जुट गए हैं। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में धारा 370 हटाने के साथ देश में धार्मिक पुनरुत्थान का कार्य किया जा रहा है।

लोकसभा चुनाव में हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का लक्ष्य लेकर कार्य करेंगे- विष्णुदत्त शर्मा

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा कहा कि चुनाव प्रबंधन कार्यालय के शुभारंभ पर ही शुभ संकेत मिल गए हैं। आज जबलपुर, सीहोर, खंडवा और अशोकनगर में हुए जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव में भाजपा ने चारों जिला पंचायत अध्यक्ष पद जीत लिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने झाबुआ में हर बूथ पर 370 वोट बढ़ाने का मंत्र दिया है। हम सब कार्यकर्ताओं ने उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए काम करना शुरू कर दिया है। पार्टी कार्यकर्ता एक टीम स्प्रिट के साथ अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ऐतिहासिक बहुमत के साथ विजय सुनिश्चित करेगी। भाजपा सरकार गरीब कल्याण, सुशासन, विकास और जनहितैषी कार्यो को लेकर जनता के बीच जा रही है।

दैनिक
सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

इंदौर पाती

ई-रिक्शा चालकों का विरोध, 21 फरवरी से करेंगे हड़ताल

इंदौर। शहर में ई-रिक्शा के संचालन को लेकर 23 रूट तय किए गए हैं। इन रूट पर 7000 ई-रिक्शा को विभाजित कर संचलित किया जाएगा। रूट तय करने को लेकर ई-रिक्शा चालक लगातार विरोध कर रहे हैं। चालकों ने बैठक कर तय किया है कि 21 फरवरी से रूट तय करने को लेकर हड़ताल की जाएगा।इंदौर जिला प्रशासन द्वारा यातायात सुधार के नाम पर ई-रिक्शा संचालन के लिए 23 रूट किए हैं, जहां पर ऑटो को संचालित किया जाएगा। इंदौर बैटरी ऑटो रिक्शा चालक महासंघ के सिद्धार्थ पवार, नमन कोल, हरि ओम खरोटे ने बताया कि शहर में चलने वाले 7 हजार बैटरी ऑटो रिक्शा को मात्र 23 रूटों में बांट दिया है। प्रत्येक रूट पर 350 से 400 बैटरी ऑटो संचालित होंगे। सवारी के लिए आपसी संघर्ष शुरू हो जाएगा एवं सड़कों पर यातायात बाधित होगा।पूरे शहर में जिन रूट को दर्शाया गया है, वहां पर एक भी बैटरी ऑटो रिक्शा स्टैंड नहीं है। सवारियां रोड से ही लेना पड़ेगी, जिससे ट्रैफिक बाधित होगा। राजवाड़ा पर सिर्फ बैटरी ऑटो रिक्शा के आवागमन पर प्रतिबंध लगाने का प्रयास चल रहा है। जबकि सिटी बसों को सवारी भरने की स्वतंत्रता दी जा रही है। इससे सभी बैटरी ऑटो रिक्शा चालकों में जबर्दस्त विरोध है। आगामी 21 से 23 फरवरी तक सभी बैटरी ऑटो काम बंद हड़ताल पर चले जाएंगे। चालकों की हुई बैठक इस संबंध में एक महत्वपूर्ण बैठक श्रम आंदोलन के संस्थापक अध्यक्ष राजेश बिडकर की अध्यक्षता में नेहरू पार्क में हुई। जिसमें बड़ी संख्या में बैटरी ऑटो रिक्शा चालक मौजूद थे। बिडकर ने कहा कि सिटी बस को राजवाड़ा क्षेत्र में संचालित करवा रहे हैं। वहीं गरीब बैटरी ऑटो रिक्शा वालों को रूट देकर भगाना चाहते हैं। प्रशासन की नीति सबके लिए समान होना चाहिए। राजवाड़े पर बसों पर भी सवारी ले जाने पर प्रतिबंध लगाना चाहिए, क्योंकि सबसे ज्यादा ट्रैफिक को बाधित करते हैं। नई बैटरी ऑटो रजिस्ट्रेशन पर रोक लगे एवं रूट की विसंगतियां जब तक दूर ना हो जाए, बैटरी ऑटो रिक्शा स्टैंड ना बन जाए तब तक इस बारे में किसी भी तरह का फैसला जिला प्रशासन ना ले।

इंदौर के नवनियुक्त पुलिस कमिश्नर राकेश गुप्ता ने संभाला पदभार

इंदौर। शहर के नवनियुक्त पुलिस आयुक्त राकेश गुप्ता ने बीते कल सोमवार को अपना पदभार ग्रहण कर लिया। वह मकरंद देऊस्कर का स्थान लेंगे। राकेश गुप्ता सुबह कमिश्नर ऑफिस पहुंचे, उनके साथ पूर्व सीपी मकरंद भी थे। 1999 बैच के आईपीएस राकेश गुप्ता वर्ष 2013 में शहर में डीआईजी के पद पर भी रह चुके हैं। वह शहर के तीसरे पुलिस आयुक्त हैं। शहर में बढ़ता नशे का कारोबार और बेतरतीब चलते वाहन बड़ी समस्या है। यह उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती है। गुप्ता के मुताबिक, चारों तरफ से खुला होने से शहर में अपराधी आसानी से आकर निकल जाते हैं, विशेषकर वाहन चोर। पुलिस अफसरों की कोई कमी नहीं है और थानों की संख्या कम है। यह पेट्रोलिंग के लिहाज से फायदेमंद है। ऐसे में फील्ड पर कर्मियों की संख्या बढ़ाते हुए क्राइम को कम करने का प्रयास किया जाएगा।

शुरुआत में उलझा प्रोजेक्ट, नहीं मिल रहे सीवर और पानी की लाइन के नक्शे

इंदौर। एमआर-9 से नौलखा के बीच बीआरटीएस कॉरिडोर पर एलिवेटेड ब्रिज का काम शुरू होना है, लेकिन इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट का काम शुरुआत में ही उलझता दिख रहा है। अब तक पीडब्ल्यूडी को कॉरिडोर से गुजरने वाली पानी और सीवर जैसी सर्विस लाइन की जानकारी ही नहीं मिल पा रही है। कॉरिडोर पर पानी की लाइन संबंधी नक्शे नगर निगम के नर्मदा प्रोजेक्ट विभाग को देना है, जबकि सीवर लाइन की जानकारी नगर निगम के पास नहीं है। निगम सूत्रों का कहना है कि सीवर लाइन बीआरटीएस कॉरिडोर आईडीए ने बनाया था और तब आईडीए ने ही लाइन बिछाई थी। इसलिए उसकी जानकारी आईडीए ही दे पाएगा। इधर, नर्मदा प्रोजेक्ट भी अब तक बीआरटीएस कॉरिडोर पर बिछी पानी की लाइनों की जानकारी नहीं दे पाया है। यदि जल्द लाइन की जानकारी नहीं मिली, तो ब्रिज का काम प्रभावित होगा। सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि जब तक लाइनों के नक्शे नहीं मिलते, तब तक ज्यादा जगह खुदाई नहीं की जा सकती। जब से एलिवेटेड ब्रिज बनाने का निर्णय हुआ है, तभी से बीआरटीएस कॉरिडोर की पानी और सीवर लाइन के नक्शों की खोज हो रही है, पर अब तक तो बात बनती नहीं दिख रही। डर यह है कि यदि बिना नक्शे के कहीं खुदाई कर दें तो पानी या सीवर लाइन फूटने से बड़ी परेशानी खड़ी हो जाएगी। पीडब्ल्यूडी को बीआरटीएस कॉरिडोर पर बिछाई गई गैस लाइन और टेलीफोन केबल की भी जानकारी चाहिए, ताकि खुदाई के दौरान कोई नुकसान या दुर्घटना न हो जाए। इसके लिए अवंतिका गैस कंपनी और निजी टेलीकॉम कंपनियों से जानकारी मांगी है। हालांकि, वहां से अभी कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

वसंतोत्सव 2024 का आयोजन 14 फरवरी को इंदौर प्रेस क्लब में

इंदौर। ऋतुओं के राजा वसंत का आगमन मन में नई ऊर्जा का संचार करता है। वसंत पंचमी मां सरस्वती की आराधना का पर्व है। इंदौर प्रेस क्लब द्वारा मां सरस्वती की पूजा एवं अनुष्ठान का आयोजन किया जा रहा है। इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष अरविंद तिवारी ने बताया कि वसंत पंचमी के अवसर पर इंदौर प्रेस क्लब में स्थित मंदिर में 14 फरवरी 2024 को प्रात- 11.30 बजे से हवन एवं पूजन होगा।

इंदौर को 15 फरवरी तक बाल भिक्षुक मुक्त शहर बनाने के अभियान को और अधिक गति दी जाएगी

● कलेक्टर सिंह ने बैठक में दिए कई निर्देश

इंदौर। इंदौर शहर को 15 फरवरी तक बाल भिक्षुक मुक्त शहर बनाने के लिए चल रहे अभियान को और अधिक गति दी जायेगी। अभियान को गति देने के लिए सभी एडीएम और जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी भी जुड़ेगे। इस अभियान के तहत सभी चौराहों और मंदिरों को बाल भिक्षुकों से मुक्त करने की कार्यवाही की जा रही है। भिक्षावृत्ति से मुक्त कराई जा रहे बच्चों के शिक्षण और पुनर्वास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। जिले में सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का समय सीमा में निराकरण नहीं करने पर अधिकारियों के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। साथ ही जिले के स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने में लगे वाहनों का डेटाबेस तैयार किया जायेगा। यह जानकारी कलेक्टर आशीष सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई टीएल बैठक में दी गई।

बैठक में कलेक्टर सिंह ने अधिकारियों को पिछली बैठक में निरीक्षण संबंधी दिये गए निर्देशों के परिपालन की समीक्षा की। इस अवसर पर बताया गया कि लगभग सभी अधिकारियों ने फील्ड में पहुंचकर अपने विभाग से संबंधित निर्माण कार्यों, योजना और कार्यक्रमों के क्रियान्वयन की प्रगति की समीक्षा की। अधिकारियों ने कलेक्टर के समक्ष निरीक्षण प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। कलेक्टर सिंह ने निर्देश दिये कि -

- अधिकारी सतत रूप से फील्ड में जाकर निरीक्षण करते रहें।
- कमियों और समस्याओं को पता कर उनके निराकरण की दिशा में भी कार्य करें।
- सभी जिला अधिकारी अपने अधीनस्थ अधिकारियों को भी फील्ड में निरीक्षण के लिए भेजें।
- जल जीवन मिशन के तहत अपूर्ण कार्यों को शीघ्र पूरा करें।
- स्कूलों में बच्चों को लाने ले जाने के कार्य में लगे वाहनों का डेटाबेस तैयार किया जाये। -ऐसे वाहन जो स्कूल में संलग्न नहीं है परन्तु वह बच्चों को स्कूल लाने ले जाने का कार्य करते है उनकी अलग से सूची बनाई जाये।
- किसी भी हाल में 15 फरवरी से रेती मंडी नये स्थान पर और 16 फरवरी से नायता मुंडला में नया बस स्टैंड प्रारंभ हो जाए। इसके पहले सभी आवश्यक तैयारियां एक-दो दिन में पूर्ण कर ले।

मालवा में बहेगी दूध की गंगा, महू के वेटनरी कालेज का शोध

इंदौर। इंदौर स्वस्थ रहने के लिए आप और हम जिस दूध का उपयोग कर रहे हैं, उसमें पोषक तत्वों की कमी हो रही है। इस कमी को दूर करने और दुधारू पशुओं को तंदुरुस्त रखने के लिए वेटरनरी कालेज महू शोध कर रहा है। इसमें दुधारू पशुओं के पशु आहार में पोषक तत्वों की कमी निकालना और पोषक तत्व का सप्लीमेंट तैयार करना है। वर्ष 2021 में शुरू हुआ यह शोध अब अंतिम दौर में है। मालूम हो कि मप्र मंडी बोर्ड ने इस शोध के लिए 1 करोड़ 14 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इससे जहां दुधारू पशुओं की बीमारी ठीक हुई है, वहीं दूध उत्पादन भी बढ़ा है। सही पोषक तत्व नहीं मिलने से दुधारू पशुओं में कई तरह के रोग हो रहे हैं। पशुपालन भी अधिक मुनाफा कमाने के लिए सूखा भूसा, कपास्या खली, चापड़ और बाजार का पशु आहार दे रहे हैं, जबकि हर क्षेत्र में पशु आहार में पोषक तत्व बदल जाता है, वहीं दुधारू पशुओं के लिए सबसे ज्यादा हरा चारा लाभदायक होता है, जो कि पशुपालक कम मात्रा में देते हैं। इसी हरे चारे में फास्फोरस, जिंक, मैग्नीज, कॉपर, विटामिन-ए और ई होता है। सही पोषक आहार न मिलने से इन पशुओं में बांझपन, थनेला, गर्भ नहीं ठहरना, जैर का नहीं गिरना और दूध उत्पादन में कमी आना जैसी व्याधियां हो जाती हैं। पशुओं की इन्हीं व्याधियों की रोकथाम करने और दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए यह शोध किया जा रहा है। इस शोध को पशु पोषण आहार विभागाध्यक्ष डा. आरके जैन, प्रोजेक्ट इंचार्ज वैज्ञानिक डा. अशोक कुमार पाटिल, डा. नरेश कुरेचिया और रंजीत आइच पूरा कर रहे हैं।

इस फार्मूले से तैयार किया सप्लीमेंट

डा. पाटिल ने बताया कि अलग-अलग जिले का दाना, चारा आदि की जांच मशीनों से की गई। इससे पोषक तत्वों की कमी का पता चला। इसी आधार पर सप्लीमेंट तैयार किया गया, ताकि कमी दूर हो सके। इस रिसर्च में पता चला कि मालवा रीजन में सबसे ज्यादा कमी फास्फोरस, कॉपर, विटामिन-ई, विटामिन-ए, जिंक और मैग्नीज की है।

मशीनों से हुई रिसर्च

शोध में मंडी बोर्ड द्वारा जारी राशि से पशु पोषण विभाग ने 50 लाख रुपये से अधिक लागत की चार मशीनें खरीदीं। इनमें एटामिक एब्जाशन एस्पेक्ट्रो फोटो मीटर, यूवी एस्पेक्ट्रो फोटो मीटर, आटोएनेलाइजर, डीप फ्रीजर शामिल हैं। इन मशीनों से पशु ब्लड सैंपल, खनिज तत्वों और दाना-चारे का अध्ययन कर पोषक तत्वों की कमी का मापन किया जाता है। इन जिलों को किया शामिल शोध के लिए इंदौर के अलावा धार, देवास, खरगोन, खंडवा, बड़वानी, उज्जैन जिले के पशु आहार को शामिल किया गया। शोध में कई बार अलग-अलग 20 पशुओं को शामिल किया गया। इसमें से 10 पशुओं को पोषक तत्वों का सप्लीमेंट दिया गया, वहीं 10 पशुओं ने सामान्य पशु आहार दिया। तीन से चार माह तक चले शोध के दौरान दोनों श्रेणियों के पशुओं की बीमारियों में काफी अंतर मिला। पोषक तत्व लेने वाले पशुओं में बीमारी ठीक होने का प्रतिशत और दूध उत्पादन बढ़ा है, साथ ही सप्लीमेंट लेने वाले पशुओं की सेहत तेजी से सुधरी है। जिन्हें सामान्य आहार दिया गया था, उनमें सुधार और उपचार का प्रतिशत का काफी कम रहा। इसके साथ ही दो हजार दुधारू पशुओं के पशु आहार का सैंपल भी लिया गया था। बीमारी इन पशुओं को दिया सप्लीमेंट सामान्य पशु,, बांझपन 70 फीसद सुधार हुआ 10-20 फीसद सुधार हुआ,थनेला 100 फीसद सुधार 70 फीसद सुधार हुआ,गर्भ नहीं ठहरना 80 फीसद सुधार हुआ 40 फीसद सुधार हुआ,जैर का नहीं,गिरना 90 फीसद सुधार हुआ 30 फीसद सुधार हुआ,दूध उत्पादन 13 फीसद बढ़ा 0 फीसदी

नगर निगम के जल कर वसूली अभियान को लगा झटका

इंदौर। बकाया जल कर वसूली के लिए लाई गई नगर निगम की वन टाइम सेटलमेंट योजना को झटका लगा है। शासन से अनुमति के अभाव में इस योजना पर अब तक अमल शुरू नहीं हो सका है। निगम फिलहाल सिर्फ अवैध जल कनेक्शन को वैध करने का अभियान ही चला पा रहा है। अवैध जल कनेक्शन को वैध करने के लिए वसूले जा रहे शुल्क के रूप में अब तक निगम के खाते में एक करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं। बताया जा रहा है कि नगर निगम ने वन टाइम सेटलमेंट योजना को मंजूरी के लिए शासन के पास भेज दिया था, लेकिन अब तक भोपाल से स्वीकृति को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है।बकाया जल कर वसूली नगर निगम के लिए हमेशा से ही समस्या रही है। बताया जा रहा है कि निगम को जलकर वसूली के रूप में जनता से 100 करोड़ रुपये से ज्यादा वसूलना है, लेकिन किसी तरह की सख्ती नहीं होने से वसूली नहीं हो पा रही है। शहर में हजारों अवैध नल कनेक्शन है। इन्हें वैध करना भी बड़ी समस्या है। बकाया जल कर वसूली और अवैध जल कनेक्शनों को वैध करने के उद्देश्य से नगर निगम ने वन टाइम सेटलमेंट योजना की घोषणा की थी। इसके तहत छह फरवरी से एक माह का अभियान चलाकर अवैध नल कनेक्शन को एक निश्चित राशत्र लेकर वैध करना और वर्ष 2022-23 तक के बकाया जल कर की राशि की 50 प्रतिशत राशि एक ही बार में जमा करवाकर जल कर खाते को नियमित किया जाना था। निगम ने जोर-शोर से इस योजना का प्रचार-प्रसार भी किया। निगम के अधिकारियों ने बताया है कि बकाया जल कर का 50 प्रतिशत लेकर खाते को नियमित करने की योजना को अब तक भोपाल से स्वीकृति नहीं मिली है। यही वजह है कि यह योजना फिलहाल लागू नहीं की गई है।

घाटे में चल रहा है निगम

निगम की आर्थिक स्थिति किसी से छुपी नहीं है। यही वजह है कि निगम ने वन टाइम सेटलमेंट योजना तैयार कर बकाया जलकर वसूली की तैयारी की थी। इस योजना के तहत निगम को 50 करोड़ रुपये तक बकाया शुल्क मिलने की उम्मीद थी लेकिन शासन की स्वीकृति के अभाव में योजना लागू ही नहीं हो सकी।

रावण का किरदार निभाया, मंच से उतरते ही हो गई मौत

कॉस्ट्यूम चेंज करते वक्त सीने में उठा दर्द, डॉक्टर बोले-हार्ट अटैक के लक्षण थे

टीकमगढ़ (नप्र)। टीकमगढ़ में रामलीला में रावण का किरदार निभाने वाले कलाकार की मौत हो गई। इवेंट खत्म होने के बाद कपड़े बदलते के दौरान उसके सीने में दर्द हुआ। जिसके बाद साथी उसे अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना शनिवार रात की है। जिसकी जानकारी आयोजन समिति ने एक दिन बाद दी। बताया गया कि रामलीला खत्म होने के अगले दिन रविवार को भंडारा था। ऐसे में कलाकार की मौत की खबर से माहौल बिगड़ सकता था, इसीलिए उनका इलाज जारी रखने की बात कह दी गई। मामला दिगौड़ा थाना क्षेत्र के चैनपुरा बछोड़ा गांव का है।

राजस्व महाअभियान : राजस्व प्रकरणों के निराकरण का महाअभियान 29 फरवरी तक चलेगा

अभियान में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरुस्ती सहित अन्य राजस्व कार्यों का हो रहा तेजी से निराकरण

इंदौर। राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता लाने और आंतरिक प्रक्रियाओं को मजबूत बनाने के प्रयासों के चलते मध्यप्रदेश में राजस्व प्रकरणों का समाधान करने राजस्व महाअभि?यान शुरू किया गया है। पूरे प्रदेश में बहुत कम समय में ही डेढ़ लाख राजस्व प्रकरणों का निराकरण हो गया है। राजस्व न्यायालयों में लंबित प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण करने, नये राजस्व प्रकरणों को आरसीएमएस पर दर्ज करने, नक्शे पर तरमीम, पीएम किसान का सेच्युरेशन, समग्र का आधार से ई-केवाईसी और खसरे की समग्र आधार से लिंकिंग सहित आमजन की राजस्व से संबंधित समस्याओं के निराकरण में 15 जनवरी, 2024 से शुरू राजस्व महाअभियान की शुरुआत से ही अच्छे परिणाम आने लगे हैं। यह महाअभियान 29 फरवरी तक चलेगा। इसमें समय-सीमा पार कर चुके राजस्व विभाग के नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरुस्ती के 2 लाख 41 हजार 784 प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। अब तक लगभग डेढ़ लाख राजस्व प्रकरणों का समाधान हो चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर पर शुरू किये गये महाअभियान से लंबित प्रकरणों के निराकरण में तेजी आई है।

कैसे होता है त्वरित निराकरण ?

राजस्व रिकॉर्ड के वाचन के लिये पटवारी को समय-सारणी दी गई। गाँव में खसरा बी-1 का वाचन किया गया। नागरिकों को समग्र ई-केवाईसी और समग्र से खसरे की लिंकिंग के लिये समग्र वेब पोर्टल एमपी ऑनलाइन/सीएसई के कियोस्क के माध्यम से समग्र में आधार की ई-केवाईसी कराने की सुविधा नागरिकों को निःशुल्क दी जा रही है। आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराने के लिये नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रख लोक सेवा केन्द्रों के अतिरिक्त एमपी ऑनलाइन और सीएसई के कियोस्क के माध्यम से भी आरसीएमएस पर प्रकरण दर्ज कराये जा रहे हैं। समय-सीमा पार कर चुके लंबित प्रकरणों को न्यायालय में नियमित सुनवाई कर नामांतरण, बंटवारा, भू-अभिलेख दुरुस्ती के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। रिकॉर्ड में दर्ज ऐसे भू-स्वामी, जिनकी मृत्यु काफी समय पहले हो चुकी है परंतु उनके उत्तराधिकारियों के पक्ष में नामांतरण का प्रकरण दर्ज नहीं हुआ है उनका महाअभियान में उत्तराधिकार नामांतरण के प्रकरणों को दर्ज कर निराकरण किया जा रहा है।

ग्रामीणों और किसानों में उत्साह

नामांतरण के लंबित एक लाख 54 हजार 116 प्रकरणों में से एक लाख 3 हजार 849 प्रकरणों का निराकरण कर दिया गया है। निराकरण के लिये शेष रहे 50 हजार 267 प्रकरण अभि?यान की समाप्ति तक निराकृत हो जायेंगे। बंटवारा के 30 हजार 969 प्रकरणों में से 18 हजार 266 प्रकरणों का निराकरण हो चुका है। सीमांकन के लंबित 31 हजार 953 प्रकरणों में से 17 हजार 243 का निराकरण किया जा चुका है। बंटवारा और सीमांकन के लंबित शेष प्रकरणों को फरवरी अंत तक निराकृत करने लक्ष्य तय किया गया है। अभिलेख दुरुस्ती के लंबित 24 हजार 746 प्रकरणों में से 6 हजार 289 प्रकरणों का निराकरण किया जा चुका है। राजस्व महाअभियान की रोजाना समीक्षा की जा रही है। राजस्व महाअभियान से ग्रामीणों और किसानों में उत्साह है। उनके लंबित प्रकरणों का अभियान में निराकरण हुआ है।

राजस्व महाअभियान के दौरान लगभग एक लाख प्रकरण दर्ज किये गये हैं। दर्ज किये गये प्रकरणों का प्रक्रिया का पालन करते हुए त्वरित निराकरण किया जा रहा है। राजस्व महाअभियान की सतत निगरानी के लिये राजस्व विभाग द्वारा डेशबोर्ड का संचालन किया जा रहा है। इससे राज्य स्तर, जिला स्तर और तहसील स्तर तक महाअभियान के दौरान हो रहे कार्यों की प्रगति की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है। पिछले 2 माह में मुख्यमंत्री आवासीय भू-अधिकार योजना में प्राप्त 17 लाख 8 हजार 532 आवेदन में से 14 लाख 54 हजार 640 अधिकार-पत्र के लिये पात्र पाए गए हैं। मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना में कुल प्राप्त 2 लाख 35 हजार 713 आवेदन में से एक लाख 51 हजार 643 आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है और शेष के निराकरण की प्रक्रिया जारी है।

बायपास पर राऊ ब्रिज बनने से मुंबई जाने वाले यात्रियों को होगी आसानी

इंदौर। इंदौर मुंबई की तरफ से जाने वाले वाहनों का दबाव कम करने के लिए राऊ सर्कल के पास भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) इन दिनों बाईपास पर पुल बना रहा है। काम शुरू करने से पहले वैकल्पिक मार्ग बनाया है। सड़क के बीच वाले हिस्से को कंस्ट्रक्शन एजेंसी निर्माण के लिए उपयोग करने में लगी है। वहां मशीन, जेसीबी व निर्माण सामग्री रखी जा रही है। वैसे चार महीने से पुल बनाने का काम शुरू हुआ है। वैकल्पिक मार्ग पर यातायात बुरी तरह प्रभावित हो चुका है। दिनभर वाहनों की कतारें लगी रहती हैं। कई बार जाम की स्थिति बन जाती है। घंटों वाहन गुत्थमगुत्था होते रहते हैं। चालकों को सबसे ज्यादा परेशानी राऊ से मशाल चौराहे के बीच आती है। महज 500 मीटर के इस टुकड़े को पार करने में दोपहिया वाहनों को चार से साढ़े चार मिनट लगते हैं, वहीं चार पहिया वाहनों को तीन गुना समय लगता है। पहले तीन मिनट में दूरी तय होती थी, जिसमें वर्तमान में दस से पंद्रह मिनट का समय लगता है। अधिकारियों के अनुसार राऊ ब्रिज का काम पूरा होने वाला है। अप्रैल तक ब्रिज शुरू कर दिया जाएगा।

वाहनों को मिलेगी सुविधा

एबी रोड को जोड़ने वाली सड़क में बायपास अहम है। राऊ ब्रिज बनने के बाद प्रतिदिन 20 हजार वाहनों को सुविधा मिलेगी, जिन्हें शहर में प्रवेश किए बिना सीधे निकलने में आसानी होगी, मगर अभी निर्माण कार्यों की वजह से लोग काफी परेशान हो रहे हैं। लोगों को 500 मीटर की दूरी तय करने में सबसे ज्यादा मशक्कत करनी पड़ती है। ट्रक-ट्राले, बस और कार के अलावा दोपहिया वाहन भी रेंगते नजर आते हैं। 137 करोड़ होंगे खर्च बायपास पर 137 करोड़ के निर्माण कार्य किए जा रहे हैं। एमआर-10 जंक्शन, राऊ ब्रिज के अलावा अर्जुन बड़ौदा, बेस्ट प्राइज, रालामंडल पर अंडरपास बनाया जाएगा। वैसे राऊ ब्रिज का 60 फीसद काम पूरा हो गया है। एजेंसी पर सबसे ज्यादा दबाव राऊ ब्रिज बनाने का है, क्योंकि यहां यातायात काफी होता है। सुबह 10 से रात 8 बजे तक वाहन रेंगते रहते हैं, क्योंकि एबी रोड से जुड़ने वाली दूसरी कोई सड़क व मार्ग नहीं है। इसके चलते मजबूरन वाहन चालकों को राऊ से न चाहते हुए भी निकलना पड़ता है। बीच से तोड़े डिवाइर रालामंडल के पास बनने वाले अंडरपास का काम भी धीमा है। दो महीने में पुल का ढांचा आकार लेने लगा है। निर्माण की वजह से रालामंडल और तिल्लौर गांव में जाने वालों को काफी घूमकर जाना होता है, लेकिन बायपास पर बने डिवाइडर को बीच से तोड़ दिया है। वहां से वाहन एक से दूसरी तरफ निकलते हैं। इसके चलते हादसा होने की आशंका बनी रहती है। वैसे यातायात पुलिस के जवान तैनात रहते हैं, मगर रात में वहां कोई नहीं नजर आता है। एनएचएआइ के अनुसार रालामंलड अंडरपास इस साल दिसंबर तक पूरा हो जाएगा। नहीं लगे संकेतक बायपास निर्माण के दौरान कुछ लापरवाही भी बरती जा रही है। एजेंसी सुरक्षा मापदंडों को ताक पर रखकर काम कर रही है। सड़क किनारे कुछ स्थानों पर ही संकेतक लगाए गए हैं। यहां तक कि रेडियम भी नहीं लगे हैं। ऐसे में चालकों को अंदाजा लगाना थोड़ा मुश्किल होता है। इसके चलते दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है। वैसे मशाल चौराहे से राऊ के बीच सर्विस रोड (वैकल्पिक मार्ग) खराब स्थिति में है। वहां से निकलने वाले वाहनों की तीन-तीन लाइन लग जाती है। निर्माण कार्य वाली जगह पर सेफ्टी टैप भी नहीं लगाए हैं। जानकारों के मुताबिक मार्ग पर एजेंसी को बोर्ड लगाना होता है, जिसमें निर्माण कार्य की अवधि, एजेंसी का नाम का उल्लेख करना होता है। वहीं प्रोजेक्ट से पहले एजेंसी निर्माण का बीमा भी करवाती है ताकि दुर्घटना के दौरान पीड़ित को मुआवजा भी दिया जा सके। इन जानकारियों के बारे में भी बोर्ड नहीं लगा है।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, मंगलवार 13 फरवरी , 2024

संपादकीय

भारत के सच्चे रत्न थे चौ. चरण सिंह

चौधरी चरण सिंह को सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न देने की घोषणा 18वीं लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले और भाजपा-रालौद गठबंधन की चर्चाओं के बीच किए जाने से इसके राजनीतिक निहितार्थ निकाले ही जाएंगे, पर वह आजाद भारत के इस सबसे बड़े किसान नेता और गैर-कांग्रेसवाद के पुरोधा के साथ अन्याय होगा। वैसे सच यह है कि चरण सिंह के साथ न्याय जीवनकाल में भी नहीं किया गया।

खासकर भारत का राष्ट्रीय मीडिया उन्हें ग्रामीण परिवेश वाला 'जिद्दी जाट नेता' कह कर कमतर आंकता रहा। बेशक अपने सिद्धांतों के प्रति वह अडिग थे, लेकिन उनकी सोच और व्यवहार बेहद उदार था। उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में ही प्रभावी जाट संख्या के बल पर वह राजनीतिक जनाधार खड़ा हो ही नहीं सकता, जिसके बल पर चरण सिंह देश के प्रधानमंत्री पद तक पहुंच पाते। हां, उन्होंने खेती-किसानी से जुड़ी जातियों को साथ ला कर एक बड़ा राजनीतिक जनाधार अवश्य तैयार किया, जिसे कुछ लोगों ने अजगर (अहीर, जाट, गुर्जर, राजपूत) नाम दिया। बेशक उस सामाजिक-राजनीतिक गठबंधन में मुसलमान भी शामिल हुए और उत्तर भारत के कई राज्यों में वह विजयी समीकरण बन कर उभरा, पर उस सबके मूल में चरण सिंह की वैकल्पिक राजनीति की दूरगामी सोच काम कर रही थी। उस वैकल्पिक राजनीतिक सोच का पहला मुखर संकेत था कांग्रेस के 1959 के नागपुर अधिवेशन में प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के सहकारी खेती के प्रस्ताव का जोरदार विरोध। अकाट्य तर्कों के साथ किया गया वह विरोध दरअसल बड़ा राजनीतिक जोखिम भी

था। वर्तमान राजनीति में यह कल्पना भी मुश्किल है कि कोई नेता देश-समाज के भविष्य की चिंता में अपना राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा दे। तब कांग्रेस में प्रधानमंत्री नेहरू की तूती बोलती थी। नेहरू से असहमति का अर्थ था, कांग्रेस में अपने राजनीतिक भविष्य पर पूर्ण विराम लगा लेना। नेहरू की जय-जयकार में ही अपना भविष्य देखने वाले कांग्रेसियों की करतल ध्वनि के बीच चरण सिंह ने कहा था-ये तालियां बताती हैं कि आप सब मेरे विचारों से सहमत हैं, परंतु आप में मेरी तरह खुले विचार रखने का साहस नहीं है।

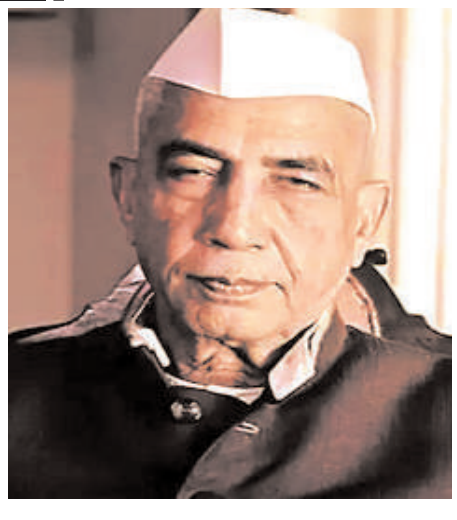

जाहिर है, अपने उस साहस की कीमत चरण सिंह को बाद में कांग्रेस से इस्तीफा देकर चुकानी पड़ी, पर वह उनकी राजनीतिक पारी का अंजाम नहीं, बल्कि ऐसा आगाज साबित हुआ, जिसने देश में बदलावकारी वैकल्पिक राजनीति की नींव रखी। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में चरण सिंह को लंबा कार्यकाल नहीं मिला, लेकिन उत्तर प्रदेश में उन्होंने जिन भूमि सुधारों की पहल की, उन्हीं से प्रेरित वाम मोर्चा पश्चिम बंगाल मेंसाढ़े 3 दशक तक शासन करने में सफल रहा।

शासन व्यवस्था का हाल जानने के लिए भेस बदल कर सरकारी दफ्तरों में जाने और शिकायत मिलने पर चुनाव सभा के मंच से ही उम्मीदवार बदलने की घोषणा जैसीं बातें आज फिल्मी कथा-सी लग सकती हैं, पर यही चौधरी साहब की राजनीतिक शैली थी। कभी किसी अपने के भी गलत काम का बचाव नहीं किया तो किसी पराए के अच्छे काम की प्रशंसा करने में कभी कंजूसी नहीं की। ऐसे विराट व्यक्तित्व और कृतित्व वाले जन नेता की विरासत को उनके वारिस बढ़ाना तो दूर, संभाल तक नहीं पाए।

चरण सिंह ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के छोटे से गांव नूरपुर से संघर्षपूर्ण राजनीतिक सफर शुरू कर देश की सत्ता हासिल की थी, पर अब उनकी विशाल विरासत मेरठ के आसपास तक सिमटती नजर आ रही है। बेशक इसके बहुत से कारण रहे होंगे। अजित सिंह के निधन के बाद से जयंत चौधरी ही चरण सिंह की राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं। उन्हें ऐसी प्रासंगिक विचारधारा और प्रतिबद्ध जनाधार के क्षरण पर चिंतन-मनन अवश्य करना चाहिए। ऐसा करना उनकी अपने दादा के प्रति ही नहीं, देश और समाज के प्रति भी जिम्मेदारी है।

सोशल मीडिया से...

भाजपा अकेले 370 सीटें ला रही है। 2023 में कांग्रेस की छुट्टी हुई थी, 2024 में सफाया तय है। मप्र में विस चुनाव के नतीजों से आप पहले ही बता चुके हैं कि लोकसभा चुनाव के लिए आपका मूड क्या रहने वाला है, इसलिए इस बार विपक्ष के बड़े-बड़े नेता पहले से ही कहने लगे हैं- 2024 में 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार।

नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

मुझे पूरा विश्वास है कि भारत को यूएनएससी की स्थायी सदस्यता मिलेगी, लेकिन यह आसान नहीं होगा क्योंकि कई देश हमें रोकना चाहते हैं। रास्ते में बाधाएं उत्पन्न करेंगे..लेकिन मुझे विश्वास है कि हम वहां पहुंचेंगे।

एस जयशंकर, विदेश मंत्री

लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 सीट का आंकड़ा पार करती है तो इसके जिम्मेदार इंडिया के वो नेता होंगे, जो गठबंधन का नेतृत्व कर रहे हैं। मैं न तो कांग्रेस के करीब हूं और न ही भाजपा के। अगर भाजपा कुछ भी गलत कर रही है तो मैं उनकी आलोचना करने वाला पहला व्यक्ति हूं।

गुलाम नबी आजाद, पूर्व सीएम जेके

इस सरकार को अगर कुछ लागू करना होता है तो बहुत अच्छे से करती है। मैं इस बात को स्वीकार करता हूं। यह कहने में मुझे कोई दिक्कत नहीं। पिछले एक वर्ष से अधिक समय में उन्हें देश में एक भी व्यक्ति ऐसा नहीं मिला जो भय से मुक्त न हो।

पी. चिदंबरम, पूर्व केंद्रीय मंत्री

आज का कार्टून

भाजपा का श्वेत पत्र बनाम कांग्रेस का ब्लैकपेपर

ब्लैक पेपर में कहा गया है कि देश में बलात्कार के मामले बढ़ रहे हैं। चीन ने सैकड़ों किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया है, लेकिन सरकार चुप है। अग्निपथ योजना के जरिए सेना को कमजोर किया जा रहा है। ब्लैक पत्र के मुताबिक, 2013 की तुलना में 2022 में एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ अपराधों में 48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जाति गणना से सरकार का इनकार इन वर्गों को मिलने वाले हक के प्रति इनकार है। कांग्रेस भले ही जवाबी पत्र जारी कर चुकी हो, लेकिन अब भी यह आम धारणा है कि देश में यूपीए शासनकाल में भ्रष्टाचार का बोलबाला था, जबकि मोदी सरकार ने कम से कम बड़े भ्रष्टाचारों की गुंजाइश खत्म कर दी है। दस साल के कार्यकाल में एक भी बड़े भ्रष्टाचार की बू ना आना, शासन की सफलता ही कही जाएगी। श्वेत पत्र के जरिए एक तरह से सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए खड़े किए जा रहे नैरेटिव का जवाब देने की कोशिश की है।

उमेश चतुर्वेदी

ऐन चुनावों के ठीक पहले के संसद सत्र में पेश सरकारी श्वेत पत्र ने एक तरह से सोनिया गांधी की अगुआई वाले संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की मनमोहन सिंह सरकार की खामियों और आर्थिक कुप्रबंधन को ही उजागर किया है।

चुनावों के ठीक पहले इसके उजागर होने के चलते एक तरह से कांग्रेस पर ही सवाल उठे हैं। कांग्रेस को लगता है कि इससे उसे लेकर वोटरों की धारणा में नकारात्मक बदलाव हो सकता है। इस वजह से उसका बिलबिलाना स्वाभाविक है। बदले में उसका काला पत्र लाना इसी बिलबिलाहट का नतीजा है जिसमें उसने मोदी सरकार के दस साल के कार्यकाल में बढ़ी बेरोजगारी और मुद्रास्फीति को मुद्दा बनाने की कोशिश की है।

श्वेत पत्र पहली बार 1922 में ब्रिटिश सरकार लेकर आई थी। हालांकि वह भी भारत से जुड़े मसले पर ही केंद्रित था। तब ब्रिटिश सरकार ने 1919 में भारत आए साइमन कमीशन की सिफारिशों के आधार पर भारत में पहला संवैधानिक सुधार लाने की तैयारी की थी। पहला श्वेत पत्र इसी पर केंद्रित था। जिसे ब्रिटिश संसद की संयुक्त चयन समिति के सामने विचार के लिए पेश किया गया था। इसी श्वेत पत्र में भारत में संघीय सरकार प्रणाली की स्थापना का प्रावधान शामिल था।

श्वेत पत्र की राजनीति पर चर्चा से पहले हमें जानना चाहिए कि इसके जरिए संयुक्त प्रगतिशील सरकार के दौरान हुई किन गड़बड़ियों को उजागर किया गया है। 59 पृष्ठों के इस श्वेत पत्र में कहा गया है कि तब भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की पांच बदतर अर्थव्यवस्थाओं में शामिल थी। अंग्रेजी की एक शब्दावली फ्रेजाइल फाइव भारत के आर्थिक कुप्रबंधन का प्रतीक बन गई थी। उसी दौरान देश में बारह दिनों का राष्ट्रमंडल खेल आयोजित हुआ, जिसमें घोटालों की भरमार रही।

श्वेत पत्र में कहा गया है कि जब साल 2014 में मोदी की सरकार आई, तब भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद नाजुक स्थिति में थी। उस वक्त अत्यधिक कुप्रबंधन और वित्तीय अनुशासनहीनता व्याप्त थी। चौतरफा भ्रष्टाचार का बोलबाला था। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था बेहद संकट में थी।

सवाल उठता है कि जब हमारी अर्थव्यवस्था ऐसी थी, तब श्वेत पत्र क्यों नहीं लाया गया? इसके जवाब में सरकार का कहना है कि अगर ऐसा किया जाता तो भारत को लेकर दुनिया में नकारात्मक धारणा बनती, जिससे निवेशकों सहित सबका विश्वास डगमगा जाता।

श्वेत पत्र में एनडीए और यूपीए सरकार की तुलना भी की गई है। इसमें कहा गया है कि यूपीए सरकार के दौरान बैंकिंग व्यवस्था सबसे ज्यादा कुप्रबंधन की मार झेल रही थी। इसी में कहा गया है कि वाजपेयी सरकार के कार्यभार संभालते वक्त सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का एनपीए करीब 16.0 प्रतिशत था। वाजपेयी सरकार ने बैंकिंग व्यवस्था को दुरूस्त किया और छह साल बाद जब उसे जाना पड़ा, तब यह एनपीए घटकर महज 7.8 प्रतिशत रह गया था।

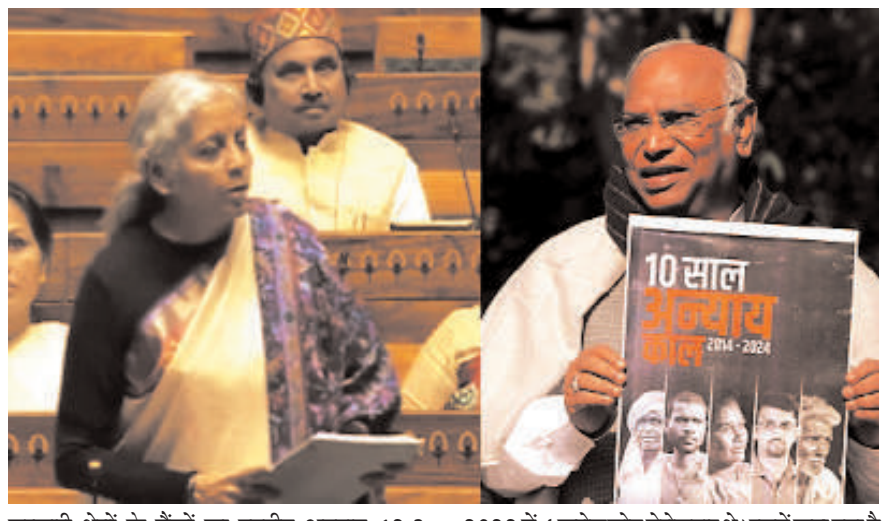

लेकिन यूपीए सरकार के कार्यभार संभालने के बाद फिर कुप्रबंधन बढ़ा और सितंबर 2013 आते-आते

सरकारी क्षेत्रों के बैंकों का एनपीए अनुपात 12.3 प्रतिशत तक बढ़ गया। इसकी वजह यह रही कि सरकारी क्षेत्र के बैंकों को ऋण देने के लिए राजनीतिक हस्तक्षेप बढ़ गया। उन चहेती कंपनियों को कर्ज दिए गए, जिनसे कर्ज वापसी की गारंटी नहीं थी।

श्वेत पत्र के मुताबिक, इसी वजह से जब साल 2014 में मोदी सरकार ने कामकाज संभाला, बैंकिंग सेक्टर संकट से जूझ रहा था। श्वेत पत्र के मुताबिक, जहां 2004 में सरकारी क्षेत्र के बैंकों का कुल बकाया सिर्फ 6.6 लाख करोड़ रुपये था, जो राजनीतिक हस्तक्षेप की वजह में मार्च 2012 में बढ़कर 39.0 लाख करोड़ रुपये हो गया।

श्वेत पत्र में मार्च 2014 में प्रकाशित क्रेडिट सुइस रिपोर्ट का भी हवाला दिया गया है। जिसके अनुसार एक से कम ब्याज कवरेज अनुपात वाली टॉप-200 कंपनियों पर बैंकों का लगभग 8.6 लाख करोड़ रुपये तब तक बकाया था। तब 2जी घोटाला हुआ, जिसमें स्पेक्ट्रम की बंदरबांट हुई थी। यूपीए के ही दौरान कोयला घोटाला हुआ, जिसकी वजह से देश को हजारों करोड़ के राजस्व का नुकसान हुआ। सोने के आयात के लिए कुछ ही लोगों को अनुमति दी गई।

श्वेत पत्र में कहा गया है कि आर्थिक प्रबंधन के मोर्चे पर बेहतरी का ही नतीजा है कि अब भारत फ्रेजाइल फाइव से दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया है। अब हमारा योगदान वैश्विक विकास में तीसरे सबसे बड़े भागीदार के रूप में है। अब स्थिति यह है कि देश में सबसे कम दरों वाली नेटवर्क कवरेज है, जो 2जी की बजाय 4जी और 5जी तक की यात्रा कर चुकी है। आज निवेश बढ़ा है।

भारत के सामने अब विदेशी मुद्रा संकट नहीं रहा, बल्कि अब भारत के पास 620 अरब अमेरिकी डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार है। अब महंगाई दर एक अंक में है। मुद्रास्फीति घटकर पांच प्रतिशत के आसपास है। आर्थिक नीतियों का ही कमाल है कि भारत में स्टार्टअप तेजी से बढ़े हैं और देश में निवेश एवं रोजगार के मौके बढ़े हैं।

चुनावी साल में विपक्ष की ओर से इस श्वेत पत्र का जवाब न आता तो ही हैरानी होती। कांग्रेस ने जवाबी ब्लैक यानी काला पत्र जारी किया है। जिसमें कहा गया है कि 2012 के एक करोड़ बेरोजगारों की तुलना में 2022 में 4 करोड़ लोग बेरोजगार थे। इसमें कहा गया है कि सरकारी विभागों में 10 लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं।

ब्लैक पत्र में आरोप लगाया गया है कि करीब एक तिहाई ग्रेजुएट और पोस्ट ग्रेजुएट बेरोजगार हैं। इसमें कहा गया है कि दो बेरोजगार प्रति घंटे आत्महत्या कर रहे हैं। ब्लैक पेपर के मुताबिक, मई 2014 की तुलना में 2024 में कच्चे तेल के दामों में 20 फीसद गिरावट हुई, इसके बावजूद एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी नहीं हुई, बल्कि बढ़ती रही।

ब्लैक पत्र में कहा गया है कि मोदी सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उलटे पूंजीपतियों को समृद्ध करने के लिए तीन कृषि कानून लाए गए। जिनके खिलाफ 700 किसान शहीद हुए। पीएम फसल बीमा योजना के तहत बीमा कंपनियों को 40 हजार करोड़ का मुनाफा मिला, जबकि हर घंटे एक किसान आत्महत्या कर रहा है।

ब्लैक पेपर में कहा गया है कि देश में बलात्कार के मामले बढ़ रहे हैं। चीन ने सैकड़ों किलोमीटर भूमि पर कब्जा कर लिया है, लेकिन सरकार चुप है। अग्निपथ योजना के जरिए सेना को कमजोर किया जा रहा है। ब्लैक पत्र के मुताबिक, 2013 की तुलना में 2022 में एससी-एसटी समुदाय के खिलाफ अपराधों में 48 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। जाति गणना से सरकार का इनकार इन वर्गों को मिलने वाले हक के प्रति इनकार है।

कांग्रेस भले ही जवाबी पत्र जारी कर चुकी हो, लेकिन अब भी यह आम धारणा है कि देश में यूपीए शासनकाल में भ्रष्टाचार का बोलबाला था, जबकि मोदी सरकार ने कम से कम बड़े भ्रष्टाचारों की गुंजाइश खत्म कर दी है। दस साल के कार्यकाल में एक भी बड़े भ्रष्टाचार की बू ना आना, शासन की सफलता ही कही जाएगी।

श्वेत पत्र के जरिए एक तरह से सरकार ने सोशल मीडिया के जरिए खड़े किए जा रहे नैरेटिव का जवाब देने की कोशिश की है। श्वेत पत्र को इस नजरिए से भी देखा जाना चाहिए। कुशल रणनीतिकार और सेनापति के रूप में मोदी ने श्वेत पत्र के जरिए अपने तरकश का जो तीर छोड़ा है, उसकी मार से बच पाना दस साल पहले के सत्ता पक्ष और आज के विपक्ष का बच पाना आसान नहीं लग रहा।

आधुनिकता के नाम पर शहरों से गुम होती प्रकृति

किसी भी व्यक्ति की ऐसी दिनचर्या प्रेरणादायक होती है। लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की मिसाल है। हिंदी फिल्म 'बूंद जो बन गई मोती' में एक खूबसूरत गीत है, जो सुबह की खामोशी में प्रकृति के संगीत को महसूस कराता है- 'हरी भरी वसुंधरा पर नीला नीला ये गगन, कि जिसपे बादलों की पालकी उड़ा रहा पवन। दिशाएं देखो रंग भरी, दिशाएं देखो रंग भरी चमक रहीं उमंग भरी। ये किसने फूल फूल से किया श्रृंगार है, ये कौन चित्रकार हैज।' यह उस दौर का गीत है, जब भरपूर प्राकृतिक नजारे हमारे आसपास थे। आज शहरी इलाकों से प्रकृति लगभग पलायन कर चुकी है।

राकेश सोहम

सुबह में कहां कोई संगीत होता है? वह तो अलसाए अंधेरे में लिपटी, चुपचाप होती है। सुबह देर तक सोने वाली अधुनातन पीढ़ी यही मानती है। बिस्तर पर पड़े रहने के आदी बहुत सारे लोगों का मानना है कि सुबह भ्रमण के लिए वही लोग निकलते हैं जो किसी बीमारी से ग्रस्त हैं। अनिद्रा के शिकार लोग भी सुबह का संकेत मिलते ही बिस्तर छोड़कर भाग निकलते हैं।

पालतू कुत्ते को सुबह घुमाने की मजबूरी लोगों को देर तक सोने नहीं देती। सेवानिवृत्त फुरसतिया लोग सुबह की खाली सड़कों पर और पार्क में वक्त काटने निकलते हैं। दरअसल, ऐसी सोच सुबह देर तक सोने वालों को आत्म तुष्टि देती है। आधुनिक पीढ़ी प्रतिस्पर्धात्मक जीवन जी रही है। ऐसे लोग पिछले दिन की असफलता के साथ सुबह देर तक अवसाद में पड़े रहते हैं।

उन्हें सुबह मनहूस दिखाई देती है। मजबूरी में सुबह जल्दी उठ जाएं तो दिन इतना लंबा लगने लगता है कि काटना मुश्किल हो जाता है। वे जम्हाई लेते बुझे-बुझे से कहते फिरते हैं कि आज का दिन ही बर्बाद हो गया। अक्सर देर रात सोने के मानवीय स्वभाव, अनैतिक चिंतन और बेमतलबी उलझन का इल्जाम बेचारी सुबह झेलती है। लोगों का वश चले तो सुबह को होने

ही न दें। दिन की शुरुआत दोपहर से होने लगे। कुछ आलसी लोग 'जब जागे तभी सवेरा' का मतलब इन्हीं अर्थों में लेते हैं।

ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जो सुबह उठते हैं और बीते दिवस की सारी चिंताओं का बोझ लेकर भ्रमण के लिए निकलते हैं। ये लोग प्रकृति के संगीत को नहीं सुन पाते! अनेक ऐसे शहर में हैं, जहां रिहाइशी क्षेत्रों के आसपास हरियाली का अभाव है। खुले मैदानों की कमी है। विकसित उद्यान या पार्क नहीं हैं। सवाल उठता है कि ऐसी स्थिति में लोग प्रातः भ्रमण के लिए कहां जाएं? एक सतासी वर्षीय सेवानिवृत्त प्रोफेसर ऐसी ही एक बस्ती में पत्नी के साथ अकेले रहते हैं।

इस उम्र में भी वे पूरी तरह स्वास्थ्य, चैतन्य और स्फूर्ति से भरे हुए हैं। आज भी दोपहिया वाहन और कार पूरी मुस्तैदी से चलाते हैं। उन्हें याद नहीं पड़ता कि कब वे सुबह भ्रमण के लिए नहीं गए। शहर में अपने घर पर हैं तो प्रातः भ्रमण की चूक नहीं होती। ठंड, गर्मी, बरसात- कोई भी मौसम उनके घूमने में आड़े नहीं आता। ठंड में आवश्यक गर्म कपड़े पहनकर और बरसात में छाता लेकर निकलते हैं।

इस तरह के लोग किसी को अपने आसपास भी मिल सकते हैं, जो नित्य सुबह चार बजे बिस्तर छोड़ देते हैं। पड़ोस के वे बुजुर्ग सुबह एक गिलास गुनगुना पानी पीते हैं। ताजा होने के बाद एक प्याला नींबू चाय पीते हैं और प्रातः भ्रमण के लिए निकल जाते हैं। उनके घर के आसपास न पार्क है, न हरियाली और न कोई मैदान। शहर के खाली रास्ते के किनारे-किनारे दूर तक पैदल निकल जाते हैं। वे इस दौरान मोबाइल के उपयोग से बचते हैं। न कोई संगीत, प्रवचन या भजन सुनते हैं और न ही किसी से बातचीत करते हैं। एक साक्षी भाव मन में रखते हैं। आसपास जो है, उसे ऊपर बैठी परम सत्ता की अनुपम कृति मानने का अपना सुख है और आत्मसात कर लेना शांति की राह। जो है, जैसा है, अपना है। इस जीवन का हिस्सा है। चीजें, वस्तुएं, प्राकृतिक हों या फिर भौतिक, उसमें तिरोहित हो जाना जीवन को संपूर्णता में जीने का जरिया है। गौर से सुना जाए तो सुबह की नीरवता में भोर का संगीत सुनाई देने लगता है।

शुद्ध हवा के झोंके महसूस हो सकते हैं। पंछियों की आवाज अंदर उतरने लगती है। अपनी ही पदचाप हमें चेतावनी देती है। सूर्य की नरम किरणें रात के खुमार को धकेल देती हैं। ऐसे में जब लौटा जाए, तो मन आनंद की ऊर्जा से भरपूर रहता है। एक चाय का प्याला हाथ में लेकर अखबार या कोई पसंदीदा किताब पढ़ने का अपना सुख है। मोबाइल पर संदेशों का आदान-प्रदान सरोकारी होने का सूचक है। मन आया तो लिखने बैठ गए।

किसी भी व्यक्ति की ऐसी दिनचर्या प्रेरणादायक होती है। लंबा और स्वस्थ जीवन जीने की मिसाल है। हिंदी फिल्म 'बूंद जो बन गई मोती' में एक खूबसूरत गीत है, जो सुबह की खामोशी में प्रकृति के संगीत को महसूस कराता है- 'हरी भरी वसुंधरा पर नीला नीला ये गगन, कि जिसपे बादलों की पालकी उड़ा रहा पवन। दिशाएं देखो रंग भरी, दिशाएं देखो रंग भरी चमक रहीं उमंग भरी। ये किसने फूल फूल से किया श्रृंगार है, ये कौन चित्रकार हैज।' यह उस दौर का गीत है, जब भरपूर प्राकृतिक नजारे हमारे आसपास थे।

आज शहरी इलाकों से प्रकृति लगभग पलायन कर चुकी है। आसपास बनावटी प्रकृति ने डेरा जमा लिया है। आधुनिकता, विज्ञान और विकास के भय से वह शहरों से दूर चली गई है। ऐसे में इस तरह के विचारों से संतोष मिलता है कि हमारे चारों ओर जो कुछ है, वह प्रकृति है। आसपास ही क्यों, हम स्वयं प्रकृति हैं। अगर हम अपने अंदर झांक सकें तो प्रकृति को ही पाएंगे। मानव इस विराट प्रकृति का हिस्सा है। बस सुबह के संगीत को महसूस करें। इसका आनंद अप्रतिम है।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को राहत, 48 घंटे में जारी किये रिव्यू रिजल्ट

इंदौर। चार महीने इंतजार करने के बाद विद्यार्थियों को थोड़ी राहत जरूर मिली है। इनके सामने अगली परीक्षा में बैठने को लेकर स्थिति स्पष्ट हो चुकी है। वैसे रिव्यू रिजल्ट में महज 8 प्रतिशत छात्र-छात्राएं पास हुए है। बाकी विद्यार्थियों को एटीकेटी व सभी विषयों की दोबारा परीक्षा देना होगी।अधिकारियों के मुताबिक, अगले सात दिनों में विश्वविद्यालय ने तीन दर्जन और परिणाम घोषित कर सकता है, क्योंकि करीब तीस कर्मचारियों की ड्यूटी निर्वाचन कार्यों में लगाई है। इनका ड्यूटी चार्ट भी विश्वविद्यालय पहुंच चुका है।जून-जुलाई में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षा हुई। मुख्य परिणाम सितंबर और अक्टूबर में घोषित हुए है। मगर प्रदेश में नवंबर में होने वाले विधानसभा चुनाव से जुड़े कार्यो के लिए विश्वविद्यालय के 300 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। इस वजह से दूसरे और चौथे सेमेस्टर के रिव्यू रिजल्ट की प्रक्रिया धीमी हो गई। चुनाव खत्म होने के बाद विश्वविद्यालय को स्नातक पाठ्यक्रम की पूरक परीक्षा करवानी थी, जिसमें परीक्षा और गोपनीय विभाग के कर्मचारी व्यस्त हो गए।बीए, बीकॉम, बीएससी के पूरक परीक्षा परिणाम 5 फरवरी तक घोषित हो चुके है। इसके बाद विश्वविद्यालय ने महीनों से अटके रिव्यू रिजल्ट देने की प्रक्रिया शुरू की। 7 फरवरी से बीबीए एलएलबी दूसरा, बीवाक फैशन टेक्नोलॉजी-इंटीरियर डिजाइन चौथे, एमएससी बाटनी, एमए योगा-एमए भूगोल, अर्थशास्त्र, साइकोलाजी, राजनीति शास्त्र, सोशलाजी, अंग्रेजी साहित्य चौथा, बीपीएड चौथा, एमपीएड दूसरा, बीबीए एलएलबी दूसरे सेमेस्टर के रिव्यू रिजल्ट आए है। इन रिजल्ट के लिए महीनों से विद्यार्थी इंतजार करने में लगे थे।परीक्षा नियंत्रक डा. अशेष तिवारी का कहना है कि अगले 15 दिनों में तीन दर्जन और रिजल्ट दिए जाएंगे, जिसमें मुख्य और रिव्यू रिजल्ट दोनों शामिल है। यह प्रक्रिया जल्द से जल्द इसलिए पूरी करना है, क्योंकि कर्मचारियों की निर्वाचन कार्यों में ड्यूटी आना शुरू हो चुकी है।

इंदौर जिले में बोर्ड परीक्षा का निजीकरण

इंदौर। माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षाओं में इस बार जहां पेपर को लेकर सख्ती बरती जा रही है, वहीं पर्यवेक्षक और केंद्र बनाने में अफसरों ने निजी स्कूलों को जमकर उपकृत किया है। इस बार जिले में बने 137 में से 64 परीक्षा केंद्र निजी स्कूलों को बनाया गया है। इसके साथ ही केंद्र स्तर पर निजी स्कूलों के शिक्षकों को भी पर्यवेक्षक बनाकर परीक्षा आयोजित करवा रहे हैं।बोर्ड परीक्षा में इस बार 137 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 10वीं और 12वीं के 88 हजार से अधिक परीक्षार्थी परीक्षा दे रहे हैं। मंडल के निर्देशानुसार यथासंभव किसी भी निजी स्कूल को परीक्षा केंद्र नहीं बनाया जाना है, लेकिन जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 64 निजी स्कूलों को परीक्षा केंद्र बना दिया गया है।जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि परीक्षा केंद्र सरकारी स्कूलों को ही बनाया जाना था, लेकिन प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय में शिक्षण कार्य चल रहा है, इसलिए निजी स्कूलों को केंद्र बनाना पड़ा। हालांकि इस बार परीक्षा में सख्ती बरती जा रही है, इसलिए नकल होने की संभावना कम है।

गाइडलाइन तय, बावजूद निजी स्कूलों के शिक्षक बने पर्यवेक्षक

माशिमं ने परीक्षा के काफी पहले ही गाइडलाइन जारी कर दी थी, जिसमें किसी भी हाल में निजी स्कूलों के शिक्षकों को पर्यवेक्षक नहीं बनाया जाना है। बावजूद इंदौर जिले के कई केंद्रों पर निजी स्कूलों के शिक्षक पर्यवेक्षक के रूप में ड्यूटी कर रहे हैं। डीईओ व्यास ने बताया कि पर्यवेक्षक नियुक्त करने का काम केंद्र अध्यक्ष के पास है। केंद्र स्तर पर ही निजी स्कूलों के शिक्षकों को पर्यवेक्षक बनाया गया है। किसी केंद्र पर नकल होने या फिर लापरवाही की शिकायत आती है, तो कार्रवाई की जाएगी।

छोटी सी उम्र में संभाला कारोबार, फ्रूटी को बना दिया 8 हजार करोड़ का ब्रांड

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्रूटी का नाम आपने जरूर सुना होगा। कोका कोला और पेप्सी जैसी दिग्गज मल्टीनेशनल कंपनियों के बीच फ्रूटी ने अपनी एक अलग पहचान बनाई है। इसे बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो है। फ्रूटी आज बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी के बीच काफी फेमस है, लेकिन एक समय था, जब इसे बनाने वाली पारले एग्रो का टर्नओवर सिर्फ 300 करोड़ रुपये का था। प्रकाश चौहान फ्रूटी बनाने वाली कंपनी पारले एग्रो के फाउंडर और सीईओ हैं, बाद में उनकी बेटी नादिया चौहान ने ब्रांड मैनेजर के रूप में कंपनी जॉइन की और कंपनी का टर्नओवर 3 सौ करोड़ रुपये से 8 हज़ार करोड़ तक पहुंचा दिया। नादिया चौहान का जन्म कैलिफोर्निया में हुआ, लेकिन उनका पालन-पोषण मुंबई में हुआ है। नादिया के पिता का नाम प्रकाश चौहान है जो पार्ले एग्रो के चेयरमैन थे।

नादिया की 2 बहनें और हैं जो उनसे बड़ी हैं। नादिया केवल 17 साल की थी जब उन्हें पारले एग्रो को ब्रांड मैनेजर की पोस्ट पर ज्वाइन किया। बिजनेस नादिया के खून में था और उन्होंने यह साबित भी किया। वह ब्रांड मैनेजर से चीफ मार्केटिंग ऑफिसर और फिर जॉइंट डायरेक्टर तक के पद पर पहुंची।

साल 1984 में फ्रूटी को किया लॉन्च

फ्रूटी को 1984 में लॉन्च किया गया था। यह लोगों को काफी पसंद आई। लोगों ने इसे हाथों-हाथ लिया। पारले एग्रो देश में टेट्रा पैक लाने वाली पहली कंपनी थी। साल 2003 तक पारले एग्रो 300 करोड़ रुपये की कंपनी बन चुकी थी। साल 2003 में कंपनी के चेयरमैन प्रकाश जयंतीलाल चौहान की बेटी नादिया चौहान ने कंपनी की मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभाली थी। उस समय उनकी उम्र मात्र 17 साल थी।

कारोबार को ऐसे पहुंचाया ऊंचाईयों पर

नादिया चौहान ने मार्केटिंग की जिम्मेदारी संभालते ही सबसे पहले फ्रूटी की पैकेजिंग बदल दी। पहले फ्रूटी हरे रंग के पैकेट में आती थी, जबकि आम का रंग पीला होता है। साल 2004 में नादिया चौहान ने एक और बड़ा फैसला लिया। उन्होंने फ्रूटी का छोटा समोसा पैक लॉन्च किया। इसकी कीमत मात्र 2.5 रुपये थी। यह खासकर ग्रामीण इलाकों में काफी हिट रहा। इससे कंपनी की सेल में काफी इजाफा हुआ। पहले फ्रूटी बच्चों की ड्रिंक मानी जाती थी लेकिन नादिया चौहान ने इसे हर वर्ग की ड्रिंक बना दिया। उन्होंने शाहरूख खान से लेकर आलिया भट्ट और अल्लू अर्जुन को ब्रांड एंबेसेडर बनाया। कंपनी का 95 प्रतिशत रेवेन्यू फ्रूटी से आता था।

ऐसे बढ़ाया कंपनी का रेवेन्यू

नादिया ने देखा कि कंपनी केवल फ्रूटी पर बहुत ज्यादा निर्भर करती है। अगर कुछ भी ऊपर-नीचे होता है तो कंपनी के पास कोई बैकअप नहीं है। इसलिए फ्रूटी से अलग अब कंपनी ने पीने का बोतल बंद पानी बेचने का फैसला लिया। इस तरह बेली की शुरुआत हुई। नादिया ने एक नई सॉफ्ट ड्रिंक पर भी दांव खेला। आम के बाद उन्होंने सेब से बनी ड्रिंक एपी फिज लॉन्च की। फिज को 2005 में लॉन्च किया गया था। फिज की ब्रांडिंग, पैकेजिंग और मार्केटिंग सब अव्वल रही और ये प्रोडक्ट मार्केट ने हाथों-हाथ लिया। आज यह ड्रिंक बाजार में खुद को शानदार तरीके से स्थापित कर चुकी है।

चीनी कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से लग रहा डर, श्याओमी ने सरकार को लिखा पत्र

नईदिल्ली, एजेंसी। चीन की स्मार्टफोन निर्माता कंपनी श्याओमी का कहना है कि सप्लायर्स को भारत में परिचालन शुरू करने में दिक्कतें आ रही हैं। कंपनी का कहना है कि चीन की कंपनियों को भारत में प्लांट लगाने से डर लग रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, श्याओमी ने इस संबंध में भारत सरकार को एक पत्र भेजा है। पत्र में कंपनी ने कहा है कि भारत में सरकार के द्वारा चीन की कंपनियों की हो रही जांच के कारण स्मार्टफोन के कंपोनेंट सप्लायर को यहां परिचालन शुरू करने में हिचक हो रही है।

श्याओमी ने 6 फरवरी को भेजे गए पत्र में भारत से विनिर्माण पर प्रोत्साहन देने और स्मार्टफोन के कुछ चुनिंदा कल-पुर्जों पर इम्पोर्ट टैरिफ कम करने की मांग की है। कंपनी का कहना है कि भारत सरकार को इन प्रोत्साहनों पर विचार करना चाहिए। कंपनी भारत सरकार के द्वारा मंगाए गए सुझावों पर प्रतिक्रिया दे रही थी। भारत सरकार ने कंपनी से पूछा था कि देश में कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जाने चाहिए। श्याओमी बाजार हिस्सेदारी के हिसाब से भारत की सबसे बड़ी स्मार्टफोन कंपनी है। भारत के स्मार्टफोन बाजार में श्याओमी की 18 फीसदी हिस्सेदारी है। कंपनी भारत में ही अपने फोन असेंबल करती है। श्याओमी अपने स्मार्टफोन में भारत में बने कंपोनेंट्स का भी इस्तेमाल करती है और चीन से भी कल-पुर्जों का आयात करती है। साल 2020 में भारत और चीन के बीच हिंसक सीमा विवाद के बाद चीन की कई कंपनियों के ऊपर भारत में सख्ती हुई है। भारत ने किस्तों में सैंकड़ों चाइनीज ऐप को भारत में प्रतिबंधित किया है। श्याओमी के ऊपर ही की गई कार्रवाई में उसकी 600 मिलियन डॉलर से ज्यादा की एसेट फ्रीज कर दी गई। एक अन्य स्मार्टफोन कंपनी वीवो के ऊपर भी पैसों के हेर-फेर का आरोप लगा है।

व्यवसायों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया 9-12 महीने में होगी पूरी: वेदांता

नईदिल्ली, एजेंसी। वेदांता लिमिटेड एल्युमीनियम सहित अपने प्रमुख व्यवसायों को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही है। यह प्रक्रिया अगले 9 से 12 महीने में पूरी होने की संभावना है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी। अरबपति अनिल अग्रवाल के स्वामित्व वाली वेदांता लिमिटेड ने अपने धातु, बिजली, एल्यूमीनियम और तेल व गैस व्यवसायों को अलग-अगले करके स्वतंत्र कार्यक्षेत्र बनाने की पिछले साल घोषणा की थी। वेदांता के एल्युमीनियम कारोबार के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जॉन स्लेवेन ने कहा, ''हम एल्युमीनियम व्यवसाय के सफल विभाजन को सुनिश्चित करने के लिए बहुत सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं।

54 रुपए पर जाएगा सुजलॉन एनर्जी का शेयर, एक साल में 430 प्रतिशत चढ़ा शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में बीते शुक्रवार को 5 प्रतिशत तक की गिरावट आई और यह शेयर 47.38 रुपये पर बंद हुए थे। रिन्यूएबल एनर्जी के शेयर पिछले पांच दिनों में 5 प्रतिशत तक टूट चुके हैं। इस साल वायटीडी में यह शेयर 25 प्रतिशत तक चढ़ा है। मार्केट एक्सपर्ट के मुताबिक, सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड के शेयरों में तेजी आने की संभावना है। जेएम फाइनेंशियल ने इस शेयर पर 54 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है।

बता दें कि एनर्जी कंपनी को दिसंबर तिमाही में जबरदस्त मुनाफा हुआ है। दिसंबर तिमाही में सुजलॉन एनर्जी का नेट प्रॉफिट करीब 160 प्रतिशत बढ़ गया है और यह 203.04 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी का मुनाफा 78.28 करोड़ रुपये ही था। शानदार तिमाही नतीजों के बीच सुजलॉन एनर्जी के शेयरों में आज तगड़ी तेजी देखने को मिली।

शेयरों के हाल

सुजलॉन एनर्जी के शेयर महीनेभर में 7 प्रतिशत तक चढ़ गए हैं। छह महीने में इसमें 140 प्रतिशत तक की बढ़त देखी गई है। इस दौरान इसकी कीमत 20 रुपये से बढ़कर वर्तमान प्राइस तक पहुंच गई है। पिछले एक साल में सुजलॉन एनर्जी का शेयर 430 प्रतिशत तक चढ़ चुका है। इस दौरान इसका भाव 9 रुपये से वर्तमान प्राइस तक पहुंच गया है। इसका 52 वीक का हाई प्राइस 50.72 और 52 वीक का लो प्राइस 6.96 रुपये है। कंपनी का मार्केट कैप 64,332.97 करोड़ रुपये है।

इंदौर में दिव्यांगजनों के लिये 20 फरवरी को ग्रामीण हाट बाजार में होगा विशाल रोजगार और स्वरोजगार मेला

-नौकरी और स्वरोजगार के लिए 800 से अधिक युवाओं ने अपनी रूचि प्रदर्शित की

दिव्यांग जनों को स्टार्टअप से भी जोड़ा जाएगा

इंदौर। इंदौर जिले में दिव्यांगों को रोजगार/स्वरोजगार से जोड़कर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा संवेदनशील पहल की जा रही है। इसके तहत इंदौर में 20 फरवरी को विशाल रोजगार/स्वरोजगार मेला आयोजित किया जाएगा। मेले की व्यापक तैयारियां जारी है। इस मेले में अभी तक 800 से अधिक युवाओं ने नौकरी और स्वरोजगार के लिए अपनी रूचि प्रदर्शित कर आवेदन किये है। मेले के माध्यम से दिव्यांगजनों को नौकरी दिलाने के साथ ही स्वरोजगार मूलक योजनाओ में ऋण भी उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही दिव्यांगजनों को स्टार्टअप से भी जोड़ा जाएगा। कलेक्टर कार्यालय में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए स्थाई रूप से हेल्प डेस्क बनाई गई है। दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए एक पोर्टल भी बनाया जा रहा हैं।

कलेक्टर सिंह द्वारा ली गई बैठक में दिव्यांग जनों को रोजगार/स्वरोजगार से जोड़ने के लिए आयोजित किए जाने वाले मेले के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर कलेक्टर सिंह ने बताया कि दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी दिलाने के लिए तथा उन्हें आवश्यकता के अनुसार स्वरोजगार मूलक शासकीय योजनाओं में लोन उपलब्ध कराने के लिए 20 फरवरी को ग्रामीण हाट बाजार इंदौर में विशाल मेला आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए कि मेला आयोजन के पूर्व दिव्यांगजनों के बीच इस मेले का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, जिससे कि वह इसका अधिकाधिक लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि मेला आयोजन से पूर्व सभी स्टेकहोल्डर से चर्चा कर ली जाए। रोजगार देने वाली कंपनियां से चर्चा कर दिव्यांगजनों को दिए जाने वाले पदों के संबंध में भी आकलन कर लिस्टिंग की जाए। इसके आधार पर दिव्यांगों को सूचित कर उनकी भी लिस्ट बना ली जाए। इसके आधार पर स्वरोजगार मेले में चयन के लिए उन्हें आमंत्रित किया जाए। साथ ही उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को स्टार्टअप से भी जोड़ा जाएगा। इसके लिए एक पोर्टल बनाया जा रहा है। पोर्टल में नौकरी देने वाली कंपनियां और इच्छुक आवेदकों का पंजीयन होगा। इससे दिव्यांगजनों को नौकरी देने में सहूलियत होगी। उन्होंने बताया कि दिव्यांगजनों को रोजगार से जोड़ने और उनकी अन्य समस्याओं के निराकरण के लिए कलेक्टर कार्यालय में स्थाई रूप से हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। हेल्प डेस्क के माध्यम से निःशक्तजनों की पेंशन समग्र आईडी आधार कार्ड सहित अन्य समस्याओं का निराकरण भी किया जाएगा।

पेट्रोल-डीजल के रेट में 637वें दिन भी राहत, कच्चा तेल 81 डॉलर के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भी सबसे सस्ता पेट्रोल पोर्टब्लेयर में 84.10 रुपये और डीजल 79.74 रुपये लीटर बिक रहा है तो सबसे महंगा राजस्थान के श्रीगंगानगर में। श्रीगंगानगर में पेट्रोल 113.44 और डीजल 98.20 रुपये लीटर है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन , भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. ने आज भी पेट्रोल-डीजल के रेट में कोई बदलाव नहीं किया है। पिछले 637 दिन से ईंधन के रेट में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ईंधन की कीमतों पर लगाम छह अप्रैल, 2022 से लगी हुई है। कच्चा तेल एक बार फिर 80 डॉलर के पार पहुंच है। ब्लूमबर्ग एनर्जी के मुताबिक ब्रेंट क्रूड का अप्रैल वायदा 81.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। वहीं, डब्ल्यूटीआई का मार्च वायदा 76.46 डॉलर प्रति बैरल पर है। बता दें रूस-यूक्रेन युद्ध के समय क्रूड की कीमतें 130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, तब भी भारत में पेट्रोल-डीजल के दाम नहीं बढ़े थे।

कहां कितना सस्ता या महंगा है पेट्रोल

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये लीटर है। यह देश में सबसे महंगे पेट्रोल से 16.87 रुपये सस्ता है। लखनऊ में डीजल 89.76 रुपये लीटर है। आगरा में पेट्रोल 96.20 रुपये लीटर और डीजल 89.37 रुपये बिक रहा है। मेरठ में पेट्रोल 96.31 रुपये और डीजल 89.49 रुपये लीटर है। वाराणसी में पेट्रोल 97.49 रुपये और डीजल 90.67 रुपये प्रति लीटर है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये है तो डीजल 94.27 रुपये लीटर है। यहां पेट्रोल श्रीगंगानगर की तुलना में 7.13 रुपये सस्ता है तो डीजल करीब चार रुपये कम रेट पर मिल रहा है। नागपुर में पेट्रोल 106.04 और डीजल 92.59 रुपये लीटर है। अहमदाबाद में पेट्रोल 96.42 रुपये तो डीजल 92.17 रुपये लीटर है। इंदौर में पेट्रोल 108.67 रुपये और डीजल 93.95 रुपये लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये लीटर है तो डीजल की कीमत 93.72 रुपये है।

India's retail inflation moderates to 5.10 per cent in January

India's retail inflation eased to z.v® per cent on an annual basis as against a four-month high of z.{~ per cent in December, data released by the Ministry of Statistics & Programme Implementation showed on Monday. A Reuters poll of yy economists had forecast a three-month low of z.®~ per cent. The number has remained within the Reserve Bank of India's (RBI) tolerance band of w-{ per cent.

Inflation rate in rural and urban areas stood at z.xy per cent, y.~w per cent, down from z.~x per cent and z.y{ per cent seen in the same month a year ago. The sharp moderation in inflation can be attributed to cooling of food prices. The food inflation for January stood at }.x® per cent versus ~.zx per cent recorded in December.

The vegetable inflation eased marginally to w|.®x per cent from w|.{y per cent in December. In addition, the fuel and light inflation contracted (-)®.{® per cent as against (-)®.~~ per cent contraction in the month before. On a sequential basis, the inflation rate witnessed a contraction of (-)®.vv per cent as against a contraction of (-)xw per cent, according to the data released.

IIP Data

India's industrial production rose to x.} per cent in December w®wx as against w.y per cent in November w®wx, revealed the data provided by the Ministry of Statistics and Programme Implementation (MoSPI) on Monday. IIP in October was recorded at vv.| per cent in October w®wx.

The factory output growth measured in terms of the Inde& of Industrial Production (IIP) had stood at z.v per cent in December w®ww, the Ministry said in a press release. During April-December w®wx-wy, the IIP growth works out to be {.v per cent, up from z.z per cent in the corresponding period a year ago.

RBI's inflation forecast

The Reserve Bank of India (RBI), which held its repo rate at {.z® per cent for a si&th consecutive meeting on February }, highlighted "large and repetitive food price shocks" as one of the biggest risks to the ongoing disinflation trend.

In it's February meeting, the RBI Monetary Policy Committee (MPC) left its inflation forecast for FYwy unchanged at z.y per cent, despite food price rise concerns, uncertainty around crude costs even amidst a recent slump and chances of domestic growth momentum creating demand pressure on inflation. The central bank had also stated that it e&pects inflation to be z per cent in the current quarter ending March xv. "Food price inflation continued to impart considerable volatility to the inflation trajectory," RBI Governor Shaktikanta Das had said while announcing the policy decisions. "In contrast, the deflation in CPI fuel deepened and core inflation (CPI inflation e&cluding food and fuel) moderated to a four-year low of x.} per cent in December."

Geopolitical events and their influence on supply chains, along with the volatility in international financial markets and commodity prices, are 'key sources' of upward risks to inflation, the RBI had said. The collective impact of policy repo rate increases is still making its way through the economy, it added. For QvFYwz, QwFYwz, QxFYwz and QyFYwz, the inflation reading was pegged at z per cent, y per cent, y.{ per cent and y.| per cent respectively, assuming a normal monsoon ne&t year, by the RBI. RBI's Das has often repeated that the RBI is determined to bring down inflation to y per cent. Recently, he e&panded the scope of his frequently cited 'Arjuna' analogy to convey that it takes into account various factors beyond just inflation when shaping policies, while flagging that headline inflation remains vulnerable to recurring and overlapping shocks due to overseas and domestic factors. IndiaÓs policymakers have been working to keep inflation in check through a mi&ture of monetary and fiscal interventions, be it through rates Parliament of the measures taken to keep inflation stable, Finance Minister Nirmala Sitharaman, while presenting Interim Budget w®wy-wz in the Lok Sabha said "retail inflation is stable and has come down within the tolerance band as a result of the steps taken by the government to check price rise, especially in perishable commodities."

वैलंटाइंस डे ; शालीनता का दामन न छोड़ें

वैलंटाइंस डे उम्मीदों से भरा दिन होता है लेकिन अकसर जाने-अनजाने कपल ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो पूरे दिन का मजा बिगाड़ देती हैं। थोड़ी सावधानी रखी जाए तो इनसे बचा जा सकता है। इस वैलंटाइंस डे पर तैयार रहिए और ये सावधानियां बरतिए।

जानिए क्या है पसंद

वैलंटाइंस डे पर क्या गिफ्ट दी जाए इसे लेकर बड़ी गफलत रहती है। अक्सर हमें भरोसा रहता है कि हमें अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड की पसंद की जानकारी है। लेकिन हम आपको सुझाव दे रहे हैं कि बाद में पछताने से अच्छा है कि आप एक बार थोड़ा होमवर्क कर लें और पक्का कर लें कि उनकी पसंद, नापसंद क्या है।

क्या वाकई उन्हें इस गिफ्ट की जरूरत है

अकसर हम अपनों को गिफ्ट देते समय उस चीज की अहमियत अपने नजरिए से देखते हैं। पर जरूरी नहीं है कि उन्हें उस चीज की जरूरत हो। ऐसे में वह गिफ्ट कभी न कभी आपके बीच मनमुटाव की वजह बन सकता है। तो भले ही उनके साथ जाकर गिफ्ट खरीदिए लेकिन उन्हें दीजिए वही जो उनके काम आए।

आज ही सब फाइनल मत कीजिए

माना वैलंटाइंस डे अपनी भावनाओं के इजहार का त्योहार है लेकिन आप चाहें कि अपने बॉयफ्रेंड या गर्लफ्रेंड से आज ही सब कुबूल करवा लें तो यह थोड़ा ज्यादा हो जाएगा। इसलिए शब्दों की जगह उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें और इस दिन को अधिक से अधिक इंजॉय करें।

कूल दिखना अच्छा है लेकिन यह भी याद रखें कि शालीनता और शिष्टता की अपनी अहमियत होती है। शालीनता चाहे अपनी गर्लफ्रेंड से बात करने में हो या होटल में लंच करते समय टेबल मैनर्स के समय हो। आपकी जरा सी लापरवाही मजा किरकिरा कर देगी।

सेल्फ लव से मनाएं वैलेंटाइन डे....

वैलेंटाइन डे हो वैलेंटाइन वीक हो या फिर पूरा का पूरा फरवरी महीना इसे बहुत ही प्यार भरा अहसास माना जाता है। ऐसे समय में अधिकतर हमें अपने सिंगल होने का अहसास ज्यादा होता है। ये लगता है कि हमें इस महीने में किसी की जरूरत है और किसी के साथ होने के बाद ही हमें पूरे होने का अहसास होगा। मेरी मानिए और ये सब सोचना छोड़ दीजिए क्योंकि आप अपने आप में ही पूरी हैं। ये ओपन लेटर इसलिए ही तो लिख रही हूं मैं ताकि आपको सिंगल होने का महत्व बता सकूं।

ऐसा नहीं है कि मैंने फरवरी के महीने में सिंगल होने वाली फीलिंग को महसूस नहीं किया है। इतना खूबसूरत मौसम और इतना खूबसूरत महीना कभी-कभी ये अहसास जरूर करवा देता है कि हम अखंड सिंगल हैं और हमारी जिंदगी में जब तक कोई पार्टनर नहीं आता तब तक ये पूरी नहीं होगी। कभी लगता है कि बस कोई मिल जाए, कभी लगता है कि शादी हो जाए, कभी लगता है कि शादी के बगैर ही अच्छे हैं, कभी अपने सिंगल होने पर गर्व होता है और कभी लगता है कि बस रोका ही हो जाए, लेकिन कोई मिल जाए।

अगर आपका मन भी इस कश्मकश में है तो आप अकेली नहीं हैं क्योंकि आपके और मेरी तरह ऐसी ही कई लड़कियां हैं जो हमेशा कंफ्यूज रहती हैं, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान के घर देर है अंधेर नहीं। नहीं-नहीं मैं देर-सवेर आपके पार्टनर मिलने की बात नहीं कर रही हूं बल्कि मैं तो ये कह रही हूं कि देर-सवेर ही सही आपकी ये समझ जरूर आ जाएगा कि आप अकेली हैं तो इस पल को भी एन्जॉय करना चाहिए।

सिंगल रहने के फायदे .....

- आपको किसी का इंतजार नहीं करना है
- आपका पैसा और समय दोनों आपका है जिसे आप अपने हिसाब से खर्च कर सकती हैं
- किसी तरह की बंदिशों में नहीं फंसना है
- आप खुद को प्यार करना सीख सकती हैं
- रिलेशनशिप की परेशानियों से आप हमेशा दूर रहेंगी
- हार्ट ब्रेक से बच सकती हैं

और भी ना जाने कितने फायदे हैं जो सिंगल रहने से आपको मिल सकते हैं। देखिए मैं ये नहीं कह रही कि प्यार और शादी खराब चीज है, लेकिन सिंगल रहने का भी अपना अलग मजा है यार! जरा सोचिए कि रोज डे से लेकर वैलेंटाइन डे तक आप खुद को ही ट्रीट कर सकती हैं और अपनी कंपनी को एन्जॉय कर सकती हैं। एक बात जो मेरी समझ में बहुत देर से आई वो ये कि अगर आप खुद की कंपनी को एन्जॉय करना नहीं सीखेंगी तो एक समय के बाद आपकी कंपनी को एन्जॉय करना भी कोई नहीं सीख पाएगा। फरवरी का महीना खुद से प्यार करने का महीना भी तो हो सकता है। ये वो महीना साबित हो सकता है जब आप खुद को पैंपर करें।

हो सकता है कि मेरी बातें आपको कहने-सुनने में ज्यादा फिल्मी लगें, लेकिन मैं अपनी फेवरेट हूं वाली फिलॉसफी हम सभी को अपनानी चाहिए। जिंदगी की बड़ी से बड़ी मुश्किल और इमोशनल ट्रॉमा इस चीज से थोड़ा कम हो सकता है।

क्या कभी आपने खुद की आवाज सुनने की कोशिश की है? आप खुद क्या करना चाहती हैं और प्यार, इश्क, मोहब्बत, शादी, बच्चों, परिवार से ऊपर आपको खुद को क्या पसंद है? किताबें पढ़ना, कोई फिल्म देखना, किसी जगह घूमने जाना, किसी दोस्त से घंटों बातें करना, घंटों पेंटिंग करना या कुछ क्रिएटिव करना और भी बहुत कुछ। जब हम इस बात पर फोकस करते हैं कि हम सिंगल हैं यही हमारी जिंदगी का सबसे बड़ा दुख है तो खुद को अकेला महसूस करते हैं, लेकिन अगर ये सोचें कि सिंगल रहने से हम खुद पर काम कर सकते हैं और ये कितना फायदेमंद है तो ये महीना बहुत ही अच्छा लगेगा। इस वैलेंटाइन अपने लिए सजें और खुद को पैंपर करें।

आखिर 14 फरवरी को ही क्यों मनाया जाता है वैलेंटाइन डे

वैलेंटाइन डे को लव डे माना जाता है। वैलेंटाइन डे ज्यादातर देशों में सेलिब्रेट किया जाता है। इस दिन कपल्स अपने दिल की बात अपने पार्टनर से बताते हैं। वैलेंटाइन वीक का वैलेंटाइन डे यानी 14 फरवरी लव बर्ड्स के लिए बेहद खास होता है। इस दिन को लेकर कई कहानियां प्रचलित हैं लेकिन क्या आपने कभी सोचा कि इस दिन के लिए 12, 13 या 15 तारीख को छोड़कर 14 तारीख ही क्यों चुनी गई।

इस तरह से हुई वैलेंटाइन डे की शुरूआत

इस दिन की शुरुआत रोमन फेस्टिवल से हुई थी। ऑरिया ऑफ जैकोबस डी वॉरिजन नाम की किताब के मुताबिक, रोम में एक पादरी थे जिनका नाम के संत वैलेंटाइन था। वे दुनिया में प्यार को बढ़ावा देने में विश्वास रखते थे। उनके लिए प्रेम ही जीवन था। लेकिन रोम के राजा क्लॉडियस को पादरी की ये बात बिल्कुल भी पसंद नहीं थी। रोम के राजा का मानना था कि प्रेम और विवाह से पुरूषों की बुद्धि और उनकी शक्ति पर प्रभाव पड़ता है। इस कारण से राजा के राज्य में रहने वाले सैनिक और अधिकारी विवाह नहीं कर सकते थे। राजा के विरोध के बाद भी संत वैलेंटाइन ने रोम के लोगों को प्रेम और विवाह के प्रति प्रेरित किया ताकि प्यार को बढ़ावा मिल सके। इस बात से प्रेरित होकर राजा के राज्य में रहने वाले कई सैनिक और अधिकारियों ने विवाह कर अपने जीवन को आगे बढ़ाया। इस बात से क्रोधित होकर राजा ने पादरी संत वैलंटाइन को 14 फरवरी, 269 ईसा पूर्व में फांसी पर चढ़ा दिया। उस दिन से हर साल इस दिन को प्यार का दिन यानी वैलेंटाइन डे के रूप में सेलिब्रेट किया जाता है।

वैलेंटाइन नाम के पीछे की कहानी

आपको बता दें, कि संत वैलेंटाइन ने अपनी मौत के दौरान अपनी आंखों को जेलर की नेत्रहीन बेटी जैकोबस को अपनी आंखों को दान कर दीं और उन्होंने एक पत्र में लिखा तुम्हारा वैलेंटाइन।

वैलेंटाइन डे पर करें गुलाब से ये 3 काम रिश्ते में नहीं आएगी दरार

14 फरवरी का दिन वैलेंटाइन डे के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को प्रेम दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन प्रेमी जोड़े एक दूसरे को गुलाब देकर अपने प्यार का इजहार करते हैं। रिलेशनशिप वालों से लेकर मैरिड कपल्स तक इस दिन को अपने-अपने खास अंदाज में सेलिब्रेट करना नहीं भूलते हैं। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में भी इस दिन से जुड़े कुछ उपाय बताये गए हैं जिन्हें आजमाने से आपके रिश्ते में प्यार और भी बढ़ सकता है।

वैलेंटाइन के दिन करें गुलाब के उपाय

वैलेंटाइन डे वाले दिन गुलाब का एक फूल लें और अपने पार्टनर या जीवनसाथी के साथ उसे हनुमान जी को अर्पित करें। इसके बाद उस गुलाब के फूल को बेडरूम में या बेडरूम की अलमारी में रखें। ऐसा करने से आपका रिश्ता बेहतर होगा, आपके रिश्ते में मजबूती आएगी, आपसी तालमेल बढ़ने लगेगा।

अगर आपका आए दिन आपके पार्टनर या जीवनसाथी से झगड़ा होता रहता है या फिर आप आपके रिश्ते में खटास आने लगी है तो वैलेंटाइन डे वाले दिन एक गुलाब लें और उसे अपने पार्टनर ईवा अपने ऊपर से उसार लें। फिर उसे जलाएं और उसकी राख को किसी पेड़ की मिट्टी में गाढ़ आएं।

ऐसा करने से आपके रिश्ते को लगी नजर दूर होगी। आपके रिश्ते में मौजूद नकारात्मकता भी नष्ट हो जाएगी। इसके अलावा, आप चाहें तो गुलाब को मां लक्ष्मी और भगवान विष्णु या भगवान शिव एवं माता पार्वती के चरणों में भी अर्पित कर सकते हैं। उनकी कृपा से आपका रिश्ता बेहतर होगा।

गुलाब से आप एक और कम कर सकते हैं। वैलेंटाइन डे वाले दिन 5 गुलाब के फूल लें। इसके बाद उन गुलाबों को गंगाजल में रखें और वैलेंटाइन डे के अगले दिन उन्हें शिवलिंग पर चढ़ा आएं। ऐसा करने से आपको मनचाहा पार्टनर मिलेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता आने लगेगी। रिश्तों में तनाव नहीं रहेगा।

हमेशा याद रहता है पहला वेलेंटाइन डे

पहला वेलेंटाइन डे हमेशा याद रहता है और जीवन की दिशा भी तय करता है। इस दिन लड़का और लड़की दोनों की धड़कनें तेज हो जाती हैं, लड़का जहां कैसे कहूं की उलझन से जूझता रहता है लड़की रिश्ते की नईदुनिया में प्रवेश करने से पहले हिचक भी रही है साथ ही कदम भी पीछे नहीं हटाना चाहती। वेलेंटाइन डे और दीपावली की खुशियाँ एक दूसरे से जुदा हैं यह समझने में वक्त लगता है। रिश्ते में आगे वढ़ते समय दोनों में से कोई एक भी जल्दबाजी दिखा दे तो जीवन भर के लिए गलतफहमियाँ हो जाती हैं। कमिट करने से पहले ठंडे दिमाग से जरूर सोचें फिर आगे बढ़ें। यहां पढ़िए कि इस दिन आपको क्या नहीं करना है।

आई लव यू कहने में थोड़ा वक्त लगाएं

इसमें शक नहीं कि जो बात आपने अपने स्वीटहार्ट को वेलेंटाइटाइन डे पर कहने के लिए सुरक्षित रखी थी, उसे कहने के लिए आप उतावली हो रही हैं लेकिन पहली बार में ही आई लव यू कह कर कमिट करना समझदारी नहीं है। यह दिन आपको एक दूसरे की भावनाओं को स्वीकार करने और उसे सेलिब्रेट करने का अवसर देता है। सच यह है कि इतनी बड़ी बात तब कहें जब यह दिल की गहराईयों से अपने आप निकल कर आए। आपका पार्टनर भी आपको प्यार करता है या नहीं यह सुनिश्चित करने के बाद ही कहें। यकीन जानिए कि आप प्यार में कितनी ही अंधी क्यों न हो जाएं लेकिन आपके अंदर जो छठी इंद्रीय है वह आपको सावधान करती रहेगी कि प्यार सच्चा है या झूठा। प्यार की अभिव्यक्ति के लिए सुरक्षित इस दिन किया गया कमिटमेंट ज्यादा ड्रामाई होकर मुंह के बल औंधा गिर भी सकता है। इसलिए इस अभिव्यक्ति को सही लम्हे के सामने आने तक इंतजार करें।

मुझे तुमसे बात करना है

हमने ऐसे हजारों किस्से सुनें है जब दो प्रेमी आपस में भविष्य की 'बात' करने बैठते हैं तो बात बहस में तब्दील हो जाती है और कई बार हमेशा के लिए ब्रेकअप भी हो जाता है। किसी गलत समय पर उठाई गई महत्वपूर्ण बात खोखली नजर आती है। इसलिए अपनी रिलेशनशिप का भविष्य तय करने जितनी गंभीर बात किसी और दिन पर टाल दें। वेलेंटाइन डे इसके लिए उचित दिन नहीं है।

हम सभी यह जानते हैं कि वेलेंटाइन डे का सबसे बड़ा फायदा गिफ्ट आइटम या कार्ड बेचने वालों को होता है, हम यह भी जानते हैं कि प्यार जैसी पवित्र भावना की अभिव्यक्ति साल भर में किसी खास दिन की मोहताज नहीं है। इसका सेलिब्रेशन सारे साल किसी भी दिन मनाया जा सकता है। इसके बावजूद वेलेंटाइन डे का अपना महत्व है इसलिए कभी पार्टनर को इस खास दिन पर यह नहीं कहें कि मैं वैलेंटाइन डे की परवाह नहीं करता। यह दिन अपनी रिलेशनशिप की परीक्षा लेने का नहीं है।

मेरा तो मूड ऑफ हो गया

इस दिन आपकी आपेक्षाएं बहुत अधिक होती हैं, पहले से प्लान भी बनाए होते हैं। इनमें जरा सी भी गड़बड़ हो तो मूड ऑफ होना स्वाभाविक है लेकिन यहीं आपके धीरज की परीक्षा होती है। जिस रेस्तराँ में आपने वेलेंटाइन डे मनाने का रिजर्वेशन कराया है वह किसी कारण रद्द भी हो सकता है। आपके मन माफिक डिश नहीं हुई या सर्विस लेट हुई तो आप अपने आपको पार्टनर के साथ में अपमानित महसूस करने लगते हैं। याद रखिए कि यह दिन भी दूसरे दिनों की तरह एक सामान्य दिन है। वेटर या रेस्तराँ मैनेजर से झगड़ा करते समय आपका रौद्ररूप देखकर पार्टनर आपसे हमेशा के लिए विमुख भी हो सकती है। यह एक खास दिन है लेकिन किसी की गलती को बहुत दिल पर न लें।

क्या आज आप डेट पर चलने के लिए फ्री हैं?

यह दिन डेट पर जाने के लिए नहीं होता। खासतौर पर पहले वेलेंटाइन डे पर पार्टनर से डेट पर चलने का आग्रह न करें। वेलेंटाइन डे की पार्टी में अक्सर ऐसे कपल अधिक होते हैं जो पहले से एक दूसरे को जानते हैं और कुछ समय एक दूसरे के साथ बिता चुके हैं। उनसे घिरे आप भी सोचते हैं कि क्या मुझे भी अपने पार्टनर को कुछ लिबर्टी देना चाहिए। दूसरों के देखकर आप भी प्रेरित होते हैं लेकिन यही समय दिमाग ठिकाने पर रखने का होता है। दूसरों को देखकर होश न खो दें, रिलेशनशिप को पकने के लिए थोड़ा समय दें। यकीन जानिए आप वेलेंटाइन डे का बुखार उतरने के बाद दूसरे दिन ज्यादा खुश उठेंगी क्योंकि आपने संयम रखा और भावना के बहाव पर लगाम कसे रखी।

अपने पार्टनर को दें मेमोरेबल गिफ्ट्स

अपनी फीलिंग्स को दर्शाने, किसी रूठे हुए को मनाने या फिर किसी को खुश करने में गिफ्ट्स बहुत ही खास भूमिका निभाते हैं। हर खास मौके पर गिफ्ट्स देने का चलन सदियों पुराना है। हर साल इन खास मौकों के लिए बाजार कई तरह के गिफ्ट्स से सज जाता है। किसी भी उपहार का महत्व तब और बढ़ जाता है जब वह व्यक्ति के स्वभाव एवं उसकी आयु के अनुरूप हो। वेलेंटाइन डे के लिए भी बाजार कई सुंदर और आकर्षक उपहारों से सज चुका है। उपहार देने के लिए बाजार में एक से बढ़कर एक विकल्प मौजूद हैं। ये उपहार आपको सभी की उम्र के हिसाब से मिल जाएंगे।

टेडी बियर

इस साल आप वेलेंटाइन डे पर किसी को उपहार देने के बारे में सोच रहे हैं तो मार्केट में म्यूजिकल टेडी बियर है। खासियत यह है कि इस टेडी को दबाने पर इसमें से आई लव यू का म्यूजिक बजेगा और इसमें लगा पंखा आई लव यू को प्रदर्शित करेगा।

ज्वेलरी बॉक्स

इस साल ज्वेलरी बॉक्स कई सारी वैरायटी और डिजाइनों में छाए हुए हैं। इसमें आपको हार्ट, सोफा सेट, बेड सेट के आकार देखने को मिल सकते हैं। कई कलर्स के साथ इसका लुक भी खूबसूरत डिजाइन किया हुआ है।

कपल शो पीस

इस खूबसूरत शो पीस की बनावट आपको एक बार देखने के बाद खरीदने पर मजबूर कर देगी। वेलेंटाइन डे पर यह सबसे यूनिक पीस है। आप अपने पति या पत्नी को उपहार देने का विचार कर रहे हैं तो इस शो पीस को चुनना सही रहेगा।

हैंगिंग स्क्रोलर

इसे शाही फरमान की तरह आप कहीं भी लगा सकते हैं। इसमें तरह-तरह के कोटेशन दिए हुए हैं जो काफी प्रभावित भी करते हैं। इस साल का यूनिक उपहार कह सकते हैं। इस बार युवा वर्ग इस स्क्रोलर को काफी पसंद भी कर रहा है।

लव बेल

आप उपहार में कुछ हटकर देना चाहते हैं तो लव बेल उपयुक्त है। यह तीन डिजाइन में है। एक डिजाइन में बेल के साथ एंजिल को लगाया गया है तो दूसरी डिजाइन में बेल के साथ हार्ट शेप लगा हुआ है। इसकी आवाज भी बहुत ही कर्णप्रिय है।

गेम ऑफ लव

इस ग्रीटिंग कार्ड में सांप और सीढ़ी की तरह गेम दिया है। कार्ड बड़ा होने के साथ-साथ इसमें सुंदर कोटेशन आप को देखने को मिल सकते हैं। इसके अलावा बुके कार्ड्स एक से बढ़कर एक आए हैं जो बुके डिजाइन में तैयार किए हुए हैं।

ज्वेलरी कार्ड

यह ऐसा कार्ड है जिसमें कार्ड के अंदर ज्वेलरी भी दी हुई है। वहीं हिन्दी कार्ड्स के चाहने वालों का क्रेज कम नहीं है। हिन्दी कार्ड्स को लेना भी पसंद कर रहे हैं।

मैसेज कैप्सूल्स

इस साल मार्केट में एक अलग तरह का गिफ्ट आया हुआ है और वह है मैजेस कैप्सूल्स। इसमें एक बॉटल में आपको कई कैप्सूल्स मिलेंगे और हर कैप्सूल्स के अंदर है एक पर्ची जिसमें है आप अपने प्रिय से जो भी कुछ कहना चाहते हैं वह लिखकर वेलेंटाइन डे पर भेंट करें। हर एक कैप्सूल में उनके लिए होगा एक खास संदेश जो बयां करेगा आपके दिल का हाल। इस वेलेंटाइन यह अपने प्रिय तक दिल की बात पहुंचाने का एक बढ़िया तरीका हो सकता है।

रोज चॉकलेट बंच

इस बार मार्केट में एक खास किस्म का गिफ्ट आया है इसमें रेड रोज के बीच में चॉकलेट है। जिसे आप इस वेलेंटाइन डे पर अपने खास को दे सकते हैं। यह रोज चॉकलेट बंच आपके दिल की बात के साथ-साथ आपके रिश्ते में मिठास भी घोलेगा तो है न यह एक बेहतरीन गिफ्ट।

हार्ट शेप्ड सॉफ्ट टॉय

हार्ट शेप्ड सॉफ्ट टॉय तो वेलेंटाइन डे पर और अन्य मौकों पर अपने प्यार को देने के लिए सदाबहार गिफ्ट है। इस साल मार्केट में इनकी काफी सारी और सुंदर वैरायटी मौजूद है। आर्चीस पर एक खास किस्म का हार्ट शेप्ड गिफ्ट आया है। जिसमें हार्ट को ओपन करने पर उसके बीच एक छोटा सा टेडीबियर है। इस गिफ्ट को काफी पसंद किया जा रहा है।

उपहार के साथ चॉकलेट

कार्ड्स हो या फिर गिफ्ट हो उसके साथ मीठा न दें तो उपहार अधूरा सा लगता है। युवा उपहार के साथ चॉकलेट जरूर देते हैं ताकि सामने वाले पर अलग तरह का प्रभाव पड़े। मार्केट में कई तरह की वैरायटी की चॉकलेट आई हैं। बाजार में मलेशियन और इंडियन चॉकलेट मौजूद हैं। इन सबके अलावा वेलेंटाइन डे के लिए स्पेशल टेडीज गिफ्ट, कपल कीरिंग्स, क्रिस्टल कोटेशन, क्रिस्टल रोजेस, कोटेशन्स, लव शो पीस भी मार्केट में मौजूद हैं।

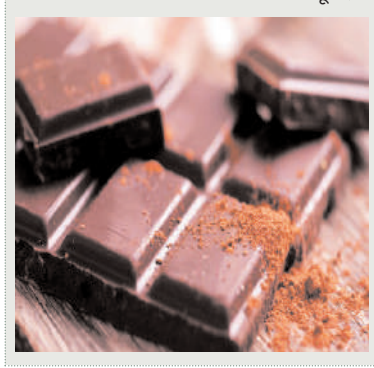

अय्यर को फैसला करना होगा...

संघर्ष कर रहे मध्यक्रम बल्लेबाज को मांजरेकर की सलाह

मुंबई , एजेंसी। पूर्व भारतीय बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने आलोचनाओं का सामना कर रहे मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को सलाह दी कि अगर वह टेस्ट क्रिकेट में उत्कृष्टता हासिल करना चाहते हैं तो उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर काम करना होगा। टेस्ट करियर की शानदार शुरुआत के बाद स्कोर करने के लिए संघर्ष कर रहे अय्यर को इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम से बाहर कर दिया गया है।

अपने पिछले 7 टेस्ट मैचों में अय्यर ने 12 पारियों में 17.00 की औसत से सिर्फ 187 रन बनाए हैं जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर सिर्फ 35 रहा है। एक वीडियो में मांजरेकर ने कहा, अय्यर को यह तय करना होगा कि वह किन प्रारूपों में प्रयास करेंगे और उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे। यदि टेस्ट उनकी प्राथमिकता बनी रहती है, तो उन्हें अपने रक्षात्मक खेल पर काम करना होगा चाहे वह गति और उछाल या स्पिन हो। एक ऐसा खेल विकसित करें जहां रक्षा में विश्वास है और फिर जब आक्रामक रास्ता अपनाता है तो यह रक्षात्मक खेल का विस्तार है जहां वह हावी होने की कोशिश कर रहा है और जवाबी हमला खेलकर दबाव से बचने की कोशिश नहीं कर रहा है।

अंडर-19 फाइनल में हार के बाद

भारतीय कप्तान उदय सहारन का छलका दर्द

बेनोनी ,एजेंसी। भारतीय टीम का छठी बार अंडर-19 वर्ल्ड कप जीतने का सपना और भारतीय क्रिकेट फैंस का दिल चकनाचूर हो गया। फाइनल मुकाबले में मिली इस हार के बाद भारतीय कप्तान उदय सहारन काफी निराश दिखे। उनका मानना है कि उनकी टीम अपनी बनाई रणनीति पर अमल नहीं कर पाई।

भारत के कप्तान उदय सहारन ने स्वीकार किया कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप फाइनल में उनके बल्लेबाज गलत शॉट खेलने और प्रदर्शन में नाकाम रहने के कारण लड़खड़ा गए, जिसके कारण उन्हें 79 रन से हार का सामना करना पड़ा। रविवार को खिताबी मुकाबले से पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों पूरी प्रतियोगिता में अजेय रहे थे। पहले बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिए हरजस सिंह, हैरी डिक्सन, कप्तान और ओलिवर पीक ने अच्छी बल्लेबाजी की और टीम को 50 ओवरों में 253/8 रन के स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में मौजूदा चैंपियन भारत को शुरुआती झटके लगे। 20वें ओवर तक मात्र 68 रन पर अपने 4 विकेट खो दिए। बाएं हाथ के आदर्श सिंह (47) और निचले क्रम के बल्लेबाजी ऑलराउंडर मुरुगन अभिषेक (42) ने भारतीय पारी को संभाला, लेकिन यह पर्याप्त नहीं था। भारतीय टीम 43.5 ओवर में मात्र 174 रन पर सिमट गई।

भारत को फाइनल मैच में 79 रन से हार झेलनी पड़ी। हार के बाद सहारन ने कहा, यह बहुत अच्छा टूर्नामेंट रहा। मुझे अपने खिलाड़ियों पर गर्व है। उन्होंने शानदार खेल दिखाया। उन्होंने शुरू से ही अपने जज्बे का शानदार नमूना पेश किया। हालांकि फाइनल मुकाबले में हम थोड़े पीछे रहे गए। हमने कुछ खराब शॉट खेले और क्रीज पर अधिक समय बिताने में नाकाम रहे।

हमने अच्छी तैयारी की थी लेकिन हम अपनी रणनीति पर अमल नहीं कर पाए। सहारन प्रतियोगिता के अग्रणी रन स्कोरर रहे। उन्होंने सात मैचों में 56.71 की औसत से 397 रन बनाए, जिसमें एक शतक और तीन अर्द्धशतक शामिल थे।

उन्होंने कहा कि वह अपने क्रिकेट करियर में आगे बढ़ने के लिए इस प्रतियोगिता से सीख लेना चाहते हैं। सहारन ने कहा, शुरुआत से लेकर अब तक बहुत कुछ सीखने को मिला है। मैंने स्टाफ से बहुत कुछ सीखा है। मैं बस इस टूर्नामेंट से सारी सीख लेना चाहता हूं और आगे बढ़ना चाहता हूं।

राजकोट टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं ज़ुरेल

विकेटकीपर भरत की जगह लेंगे, बुमराह को चौथे टेस्ट से आराम संभव

नईदिल्ली, एजेंसी। विकेटकीपर बैटर ध्रुव जुरेल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में डेब्यू कर सकते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह राजकोट में केएस भरत की जगह लेंगे। सिलेक्शन कमेटी भरत के प्रदर्शन के खुश नहीं है, इसलिए उन्हें प्लेइंग-11 से बाहर बैठाया जा सकता है। शुरुआती 2 टेस्ट में 15 विकेट लेने वाले जसप्रीत बुमराह तीसरा टेस्ट खेलेंगे, लेकिन उन्हें चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है, ताकि वह 5वें टेस्ट के लिए फिट रह सकें। भारत और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट की सीरीज का तीसरा टेस्ट राजकोट में 15 फरवरी से खेला जाएगा। सीरीज फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है।

भरत की बैटिंग से नाखुश सिलेक्टर्स

रिपोर्ट अनुसार, सिलेक्टर्स भरत की बैटिंग और विकेटकीपिंग से खुश नहीं हैं। उनका कहना है, भरत अपने मौकों को भुना नहीं पा रहे हैं। दूसरी ओर, जुरेल युवा हैं, वह नेट्स में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और भविष्य में उनसे बहुत उम्मीदें हैं। जुरेल ने उत्तर प्रदेश के लिए अच्छा प्रदर्शन किया है। इंडिया-ए और राजस्थान रॉयल्स से खेलते हुए भी उन्होंने प्रभावित किया है। जुरेल को राजकोट में टेस्ट डेब्यू मिल भी सकता है।

7 टेस्ट में 221 रन ही बना सके भरत

केएस भरत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल टेस्ट डेब्यू किया था। वह अब तक खेले 7 टेस्ट में एक भी फिफ्टी नहीं लगा सके। उन्होंने 20.09 की औसत से 221 रन बनाए हैं, इनमें भी 44 रन उनका बेस्ट स्कोर रहा। इंग्लैंड के खिलाफ भी शुरुआती 2 टेस्ट में वह 92 रन ही बना सके।

दूसरी ओर 23 साल के ध्रुव जुरेल ने अब तक इंटरनेशनल डेब्यू नहीं किया है। 15 फर्स्ट क्लास मैचों में उनके नाम 46.47 की औसत से 790 रन हैं। उन्होंने एक सेंचुरी और 5 फिफ्टी लगाई हैं। उन्होंने 13 ढ्ढक्रमैचों में 172.73 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं।

चौथे टेस्ट से बुमराह को मिल सकता है आराम

जसप्रीत बुमराह का वर्कलोड मैनेज करने के लिए उन्हें रांची में चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है। सिलेक्टर्स ने कन्फर्म किया कि वह राजकोट में तीसरा टेस्ट खेलेंगे। वह धर्मशाला में पांचवें टेस्ट के लिए फिट महसूस कर सकें, इसलिए उन्हें चौथे टेस्ट से आराम दिया जा सकता है।

आवेश खान को बाहर नहीं किया गया

आखिरी 3 टेस्ट के स्क्वॉड में तेज गेंदबाज आवेश खान की जगह आकाश दीप को जगह मिली। सिलेक्टर्स ने कहा कि आवेश रणजी ट्रॉफी मैच खेल सकें, इसलिए उन्हें ब्रेक दिया गया है। उन्हें गेम टाइम की जरूरत है। दूसरी ओर आकाश दीप रणजी ट्रॉफी में बंगाल और इंडिया-ए के लिए लगातार खेल रहे हैं, इसीलिए उनके ग्रोथ के लिए उन्हें स्क्वॉड में जगह दी गई। वैसे भी अगर टीम में पेसर्स की जरूरत रही तो बुमराह और सिराज के साथ मुकेश कुमार भी रहेंगे।

पुरुष फुटबॉल पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अर्जेंटीना ने किया क्वालीफाई

कराकस (वेनेजुएला) । ब्राजील अपने दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में अर्जेंटीना से 1-0 से हारने के बाद 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने से चूक गया। ब्राज़ील, जो लगातार तीसरी बार ओलंपिक पुरुष फुटबॉल खिताब के लिए अपनी दावेदारी पेश करने वाला था, वो 2004 के बाद पहली बार ओलंपिक पुरुष टूर्नामेंट से चूक जाएगा।

रविवार को दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर मैच के 78वें मिनट में लुसियानो के गोल की मदद से

अर्जेंटीना ने 1-0 से जीत हासिल की। चार टीमों के ग्रुप में परागवे से अपना पहला मैच हारने, फिर वेनेजुएला को 2-1 से हराने के बाद ब्राजील को क्वालीफाइंग के आखिरी चरण में ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने के लिए अर्जेंटीना के खिलाफ जीत या ड्रॉ की जरूरत थी। हालांकि, टीम इसमें सफल नहीं रही। वेनेजुएला और परागवे की बराबरी करने वाले अर्जेंटीना ने अंतिम क्वालीफाइंग स्पर्धा पांच अंकों के साथ समाप्त की, जबकि ब्राजील का सफर तीन अंकों के साथ समाप्त हुआ।

डेविड वॉर्नर ने मोहम्मद रिजवान को पछाड़ा

एडिलेड, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के स्टार सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर पाकिस्तान के मोहम्मद रिजवान को पीछे छोड़कर टी20आई क्रिकेट में सातवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वार्नर ने एडिलेड में वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 मैच के दौरान यह उपलब्धि हासिल की। मैच में वॉर्नर ने 19 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। उनके रन 115 से ज्यादा की स्ट्राइक रेट से आए।

वार्नर ने 101 मैचों में 33.17 की औसत और 141 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,986 रन बनाए हैं। उन्होंने प्रारूप में एक शतक और 25 अर्द्धशतक बनाए हैं जिसमें 100* का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामि है। दूसरी तरफ रिजवान ने 90 मैचों और 78 पारियों में 48.86 की औसत और 127 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 2,981 रन बनाए हैं। उन्होंने 104* के सर्वश्रेष्ठ स्कोर के साथ एक शतक और 26 अर्द्धशतक बनाए हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली टी20आई में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं उन्होंने 117 मैचों और 109 पारियों में 51.75 की औसत से 4,037 रन बनाए हैं।

एक साल में 4 बार ऑस्ट्रेलिया ने तोड़ा भारत का आईसीसी ट्रॉफी जीतने का सपना

क्रिकेट के हर स्तर पर दी मात

नईदिल्ली, एजेंसी। अंडर-19 वर्ल्ड कप 2024 में भी ऑस्ट्रेलियाई टीम का भारत के खिलाफ खिताब जीतने का सिलसिला जारी रहा। यह एक साल में चौथा मौका है जब कंगारुओं ने किसी आईसीसी इवेंट के नॉकआउट मुकाबले में टीम इंडिया को धूल चटाई हो। जी हां, इस दौरान ऑस्ट्रेलिया ने भारत को क्रिकेट के हर स्तर पर मात दी है। रविवार 11 फरवरी को खेले गए अंडर-19 वर्ल्ड कप मुकाबले में भारत को 79 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए पीली जर्सी वाली इस टीम ने 253 रन बोर्ड पर लगाए।

यह अंडर-19 वर्ल्ड कप के इतिहास का फाइनल में बना सबसे बड़ा स्कोर था। इसका पीछा करते हुए पूरी भारतीय टीम 174 रनों पर ढेर हो गई। आईसीसी इवेंट में पिछले एक साल में ऑस्ट्रेलिया के हाथों भारत की 4 हार का सिलसिला वुमेंस क्रिकेट से शुरू हुआ था जब कंगारुओं ने टीम इंडिया को वुमेंस टी20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में धूल चटाई थी।

इसके बाद अब उनकी अंडर-

19 टीम ने भी भारत को फाइनल में धूल चटाकर लगातार चौथी बार खिताब जीतने से रोका है।

- 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में हारे।
- 2005 महिला वर्ल्ड कप फाइनल हार गईं।
- 2020 महिला टी20 वर्ल्ड कप फाइनल हार गईं।
- 2023डब्ल्यूटीसी 2023 फाइनल हारे।
- 2023 वर्ल्ड कप फाइनल हारे।
- 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप फाइनल हारे।

अंडर-19 विश्व कप 2024

दक्षिण अफ्रीका के क्वेना मफाका बने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट

बेनोनी, एजेंसी। रविवार को टूर्नामेंट के समापन के बाद दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज क्वेना मफाका को अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का ताज पहनाया गया। मफाका को सौमी पांडे, मुशीर खान, ज्वेल एंड्रयू, ह्यू वीबगेन और उदय सहारन जैसे खिलाड़ियों से टक्कर मिली थी। मफाका 21 विकेट के साथ टूर्नामेंट के अग्रणी विकेट लेने वाले गेंदबाज रहे। उन्होंने 9.71 की औसत से 21 विकेट लिए। पुरस्कार प्राप्त करने के बाद मफ़ाका ने कहा कि वास्तव में यह बहुत मायने रखता है। मैंने इसके लिए बहुत काम किया है और मैं वास्तव में खुश हूं कि एक अच्छा टूर्नामेंट आयोजित कर सका। दुर्भाग्य से मैं अपनी टीम को फाइनल तक नहीं ले जा सका। लेकिन खुश हूं कि मैं अच्छा खेल सका। बता दें कि मफाका अंडर 19 विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक विकेटों के रिकॉर्ड की बराबरी करने के करीब पहुंच गए थे। इस रिकॉर्ड में बांग्लादेश के इनामुल हक जूनियर (2014) आगे हैं जिन्होंने 22 विकेट लिए थे।

हालांकि मफाका ने अंडर-19 विश्व कप में एक यूनीक रिकॉर्ड भी बनाया। वह विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक बार 5 विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ 5/38, जिम्बाब्वे के खिलाफ 5/34 और फिर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 6/21 के आंकड़े दिए।

महेश बाबू की बेटी हुई साइबर क्राइम का शिकार

महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की बेटी सितारा घट्टामनेनी साइबर क्राइम का शिकार हो गई हैं। सितारा का एक फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया गया है जो न केवल फर्जी तरीके से खुद को महेश बाबू की बेटी बता रहा है बल्कि प्लेटफॉर्म पर यूजर्स को ट्रेडिंग और निवेश लिंक भी भेज रहा है। सितारा की मां नम्रता ने इस संबंध में महेश बाबू की टीम द्वारा ऑफिशियल स्टेटमेंट साझा किया। उन्होंने आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

नम्रता शिरोडकर ने लिखा - ध्यान रहे! बयान में, महेश बाबू की टीम ने साझा किया कि पुलिस अधिकारी पहले से ही मामले को देख रहे हैं। सितारा का फर्जी अकाउंट बनाने वाले व्यक्ति को पकड़ने के लिए हर संभव उपाय भी कर रहे हैं। वहीं पुलिस ने इस साइबर क्राइम के बारे में चेतावनी जारी की है। एक अज्ञात यूजर खुद को सितारा बता रहा है और बिना सोचे-समझे यूजर्स को ट्रेडिंग और निवेश लिंक भेज रहा है। सितारा ने अपनी एक्टिंग की शुरुआत महेश बाबू की 2022 की फिल्म सरकारू वारी पाटा से की। वह फिल्म के गाने पेनी में अपने पिता के साथ दिल खोलकर डांस करती हुई भी नजर आई थीं।

पर्दे पर शक्तिमान बनेंगे रणवीर सिंह, फिल्म को लेकर आई बड़ी अपडेट!

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह के पास इस समय कई प्रोजेक्ट की लाइन लगी हुई है। रणवीर सिंह जल्द ही डॉन फ्रेंचाइजी की फिल्म डॉन 3 में नजर आने वाले हैं। इसी बीच रणवीर सिंह की एक और फिल्म को लेकर अपडेट सामने आया है। खबरों के अनुसार रणवीर सिंह भारत के पहले सुपरहीरो शक्तिमान की भूमिका निभा सकते हैं। इस फिल्म को लेकर बीते काफी समय से खबरें सामने आ रही थक्ष। हालांकि बाद में चीजें ठंडे बस्ते में चली गई। अब फिल्म को लेकर नई अपडेट सामने आई है। खबरों के अनुसार इस फिल्म को सोनी पिक्चर्स और साजिद नाडियाडवाला मिलकर प्रोड्यूस करेंगे। इसे 300-350 करोड़ रुपए के बजट में बड़े पैमाने पर बनाया जाएगा। निर्माता इस प्रोजेक्ट को पुनर्जीवित करने की योजना बना रहे हैं, और जब रणवीर सिंह अपनी मेगाबजट फिल्म डॉन 3 की शूटिंग पूरी कर लेंगे तब इसकी शूटिंग शुरू होगी।

यामी ने की आर्टिकल 370 के लिए महिला एनआईए अधिकारी के कार्यों की सराहना

यामी गौतम की आगामी फिल्म आर्टिकल 370 का ट्रेलर जारी हो चुका है। ट्रेलर में कश्मीर घाटी का हालात बयां किए गए हैं। फिल्म आर्टिकल 370 को हटाने में किस तरह के प्रयास और जटिलताएं सामने आईं इसकी एक झलक भी देखी जा सकती है। यह फिल्म 23 फरवरी को रिलीज होगी। अब फिल्म की रिलीज से पहले यामी गौतम ने पोस्ट साझा कर बताया है कि वे फिल्म के लिए काफी उत्साहित हैं।

साल 2012 में विक्की डोनर से बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले यामी गौतम ने कई भारतीय भाषाओं की फिल्मों में काम किया। पिछले साल ओएमजी 2 के साथ बड़े पर्दे पर धूम मचाने के बाद, अभिनेत्री आर्टिकल 370 थ्रिलर के साथ आने के लिए उत्साहित हैं। इंडस्ट्री में विभिन्न शैलियों में काम करने के बाद, यामी गौतम अपने करियर की पहली एक्शन फिल्म के साथ आने के लिए भी काफी उत्साहित हैं।

आर्टिकल 370 दर्शाता है कि कैसे भारत सरकार ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू और कश्मीर को दिए गए विशेष दर्जे को रद्द कर दिया। अब हाल ही में, अभिनेत्री ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर फिल्म से जुड़े होने के अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में उन सभी लोगों और एजेंसियों की भी प्रशंसा की, जिन्होंने मिशन को सफल बनाने के लिए सहयोग किया है। एक पत्रकार के ट्वीट को रीपोस्ट करते हुए यामी ने लिखा, धन्यवाद अखिलेश जी!

यह वास्तव में सबसे अविश्वसनीय ऑपरेशनों में से एक था। इस ऑपरेशन के लिए अलग-अलग एजेंसियां एक असंभव कार्य को अंजाम देने के लिए एक साथ आईं, जिसने भारतीयों की किस्मत बदल दी, वह भी बिना किसी को इसकी भनक लगे। यामी ने लिखा, मैं हमारे दर्शकों को उन घटनाओं को दिखाने के लिए उत्साहित हूं, जिनके बारे में किसी को पता भी नहीं है और हमारी फिल्म में और भी बहुत कुछ है। विशेष रूप से महिला एनआईए अधिकारी द्वारा की गई साहसिक कार्रवाई, जिसे देख आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे।

दिल्ली-एनसीआर में फिर बदलेगा मौसम, बारिश के आसार

नईदिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली-एनसीआर के मौसम में बुधवार को फिर से बदलाव हो सकता है। कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है। दिल्ली के ज्यादातर इलाकों में रविवार सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर का कोहरा देखने को मिला। इससे न्यूनतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री नीचे रहा।

सफदरजंग में अधिकतम तापमान 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से एक डिग्री ज्यादा है, जबकि, न्यूनतम तापमान सात डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम है। मौसम विभाग का अनुमान है कि सोमवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक रहेगा। सुबह और शाम के समय ठंड का असर बना रहेगा। न्यूनतम तापमान आठ डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

दस दिन बाद फिर दमघोटू हुई राजधानी की हवा

राजधानी की हवा दस दिनों बाद फिर दमघोटू हो गई है। रविवार को दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 300 के पार यानी बेहद खराब श्रेणी में पहुंच गया। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से 31 जनवरी को दिल्ली और आसपास के इलाके में अच्छी बारिश हुई थी। लगभग सौ दिनों से प्रदूषण हवा में रह रहे लोगों को प्रदूषण से काफी हद तक राहत मिली थी, लेकिन अब फिर बढ़ने लगा है। रविवार को दिल्ली का एक्यूआई 313 अंक पर रहा।

सबसे प्रदूषित क्षेत्र और इसके कारक: राजधानी के 13 हॉटस्पॉट क्षेत्रों में नवंबर महीने में एक्यूआई गंभीर और बेहद खराब श्रेणी में रहा। यहां टूटी सड़कें, निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, यातायात जाम, आरएमसी संयंत्र का सही तरीके से संचालन आदि नहीं किए जाने के चलते प्रदूषण का स्तर ज्यादा रहता है।

रिपोर्ट : तमाम प्रयासों के बाद भी गंभीर श्रेणी में रहे पांच हॉटस्पॉट

वहीं, तमाम प्रयासों के बाद भी राजधानी में प्रदूषण का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। सबसे ज्यादा प्रदूषित रहे नवंबर महीने में पांच हॉटस्पॉट पर औसत एक्यूआई 400 के ऊपर पहुंच गया। मतलब पूरे माह लोगों ने गंभीर श्रेणी की हवा में सांस ली।

दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति ने प्रदूषण की मुख्य प्रवृत्तियों पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। इसमें खासतौर पर नवंबर महीने में प्रदूषण के स्तर की पड़ताल की गई है। लगभग पांच साल पहले 13 सबसे अधिक प्रदूषित क्षेत्रों (हॉटस्पॉट) की पहचान की गई थी। यहां पर हर साल तमाम उपाय किए जाते हैं। इसमें टीमें तैनाती की जाती है, जो प्रदूषण के स्रोतों की रोकथाम करती हैं। मोबाइल एंटी स्मोग गन, खुले में कचरा जलाने से रोकना, निर्माण स्थलों पर धूलरोधी उपाय करने जैसे कदम उठाए जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

सावधान! दिल्ली में बेड बॉक्स में गर्दन फंसने से 12 साल के बच्चे की गई जान

नईदिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के वसंतकुंज नॉर्थ इलाके में शनिवार शाम को कपड़े निकालने के दौरान दीवान बेड के बॉक्स में गर्दन फंसने से 12 वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान राधे कुमार के तौर पर हुई है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। बच्चा अपनी मां सोनी, दो बड़ी बहनों और एक छोटे भाई के साथ महिपालपुर हरिजन बस्ती में रहता था। सोनी के पति विक्की की सात साल पहले दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद से परिवार बिहार के मधुबनी जिले से आकर दिल्ली रहने लगा था। सोनी घरों में काम करके परिवार का गुजारा करती है। राधे स्थानीय सरकारी स्कूल में पांचवीं क्लास का छात्र था। परिजनों ने बताया कि राधे पढ़ाई में अच्छा था। वह बड़े होकर आईपीएस अधिकारी बनना चाहता था। हाल में ही उसने 12वीं फेल मूवी देखी थी, जिससे वह बेहद उत्साहित था। इस हादसे के बाद सोनी की तबीयत खराब है। परिजनों ने बताया कि पड़ोस में शनिवार को पूजा थी। सोनी ने बेटे राधे को दीवान बेड से निकालकर साफ कपड़े पहनकर आने के लिए कहा और खुद पूजा स्थल पर चली गई। इस दौरान दोनों बड़ी बहनें छत पर थीं और राधे दीवान खोलकर कपड़े निकालने लगा। इसी दौरान बेड बॉक्स के ढक्कन को सहारा देने वाला डंडा फिसल गया और भारी प्लाई उसकी गर्दन पर गिर गई। इसी दौरान राधे की बड़ी बहन की सहेली घर आई और उसने आवाज दी। कुछ देर बाद उसने राधे का सिर बेड के अंदर घुसा हुआ पाया। वह चीखती हुई बगल में कोचिंग पढ़ाने वाले टीचर अनुज के पास गई। अनुज ने बच्चे को स्पाइनल इंजरी सेंटर में भर्ती कराया, लेकिन तब तक बच्चे की मौत हो गई थी।

कतर द्वारा पूर्व नौसेना कर्मियों को रिहा करने पर बोले जयराम रमेश

नईदिल्ली, एजेंसी। कतर द्वारा आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाए जाने के करीब साढ़े तीन महीने बाद उन्हें रिहा कर दिया गया है। सभी आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों की इस रिहाई को पीएम मोदी की सबसे बड़ी कूटनीतिक जीत बताई जा रही है। कांग्रेस ने सोमवार को सभी आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों के रिहा होने पर राहत और खुशी व्यक्त की और उन्हें तथा उनके परिवारों को बधाई दी है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सभी आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों में से सात भारत लौट आए हैं। इसमें कहा गया है कि भारत भारतीयों की रिहाई और घर वापसी को सक्षम करने के कतर के अमीर के फैसले की सराहना करता है। बता दें कि नौसेना के सभी आठों नौसैनिकों को पिछले साल 26 अक्टूबर को संदिग्ध जासूसी के एक मामले में कतर की प्रथम दृष्टया अदालत ने मौत की सजा सुनाई थी।

एनआइए के छापेमारी अभियान में जब्त की गई आपत्तिजनक सामग्री

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आइएस) से जुड़े 2022 के कोयंबटूर कार बम विस्फोट मामले में पूरे तमिलनाडु में 21 स्थानों पर की गई छापेमारी के दौरान चार लोगों को गिरफ्तार किया है। एनआइए ने गिरफ्तार लोगों की पहचान जमील बाशा उमरी, मौलवी हुसैन फैजी उर्फ मुहम्मद हुसैन फैजी, इरशात और सैयद अब्दुर रहमान उमरी बताई है। एनआइए ने शनिवार को छापेमारी अभियान चलाया जिसमें कई इलेक्ट्रानिक उपकरण, आपत्तिजनक सामग्री और दस्तावेज जब्त किए गए हैं। कार बम विस्फोट से जुड़े अन्य 10 स्थानों पर भी छापेमारी जब्त सामान में छह लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, 34 सिम कार्ड, छह एसडी कार्ड और तीन हार्ड डिस्क शामिल हैं। कट्टरपंथ से संबंधित मामले में जिन स्थानों पर छापेमारी की गई उनमें से 11 मद्रास अरबी कॉलेज और कोवई अरबी कालेज से जुड़े हैं। इन 11 के अलावा शनिवार को कार बम विस्फोट से जुड़े अन्य 10 स्थानों पर भी छापेमारी की गई। अरबी भाषा की कक्षाओं की आड़ में भोले-भाले युवकों को गुप्त रूप से कट्टरपंथ का पाठ पढ़ाया जाता था। एनआइए ने कहा है कि आइएस आपरेटिव कक्षा के साथ ही इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म से खिलाफत और आइएस की विचारधारा का प्रचार किया जाता था।

श्रीलंका में खुलेगा आईआईटी का तीसरा विदेशी कैंपस, आईआईटी मद्रास का होगा दूसरा अंतरराष्ट्रीय कैंपस

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान का तीसरा विदेशी कैंपस पड़ोसी देश श्रीलंका में स्थापित किए जाने की संभावना है। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने 2024 के बजट के लिए आईआईटी स्थापना के प्रस्ताव की घोषणा गत नवंबर की थी। सूत्रों की मानें तो श्रीलंका सरकार महात्वाकांक्षी परियोजना के लिए आईआईटी मद्रास के लगातार संपर्क में है। इससे पहले तंजानिया व संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में संस्थान के कैंपस खोले जाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं। श्रीलंका के उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा करने के लिए चेन्नई स्थित कैंपस का दौरा किया था। बातचीत जारी है और कैंपस कैंडी में बनाए जाने की संभावना है। प्रतिनिधिमंडल ने कैंपस के रिसर्च पार्क का भी दौरा किया और जुड़ाव के संभावित क्षेत्रों पर अधिकारियों से बातचीत की। भारत सरकार ने घोषणा की थी कि 2017-18 शैक्षणिक सत्र में आईआईटी में श्रीलंका के मेधावी छात्रों को प्रवेश के अवसर प्रदान किए जाएंगे। यदि श्रीलंका कैंपस की योजना सफल होती है तो यह आईआईटी मद्रास का दूसरा अंतरराष्ट्रीय कैंपस होगा। संस्थान ने गत वर्ष ही तंजानिया के जंजीबार में विदेशी कैंपस स्थापित करने की घोषणा की थी। इसमें प्रीति अघलयम को प्रभारी निदेशक नियुक्त किया था, जो आईआईटी की पहली महिला निदेशक भी बनीं। इसी क्रम में आईआईटी दिल्ली ने अबू धाबी में कैंपस खोलने के लिए यूएई सरकार के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

सीवर में खोजने उतरे थे सोने-चांदी के टुकड़े, दिल्ली में जहरीली गैस से दो युवकों की मौत

नईदिल्ली, एजेंसी।
लॉरेंस रोड इंडस्ट्रियल एरिया में रविवार दोपहर को सीवर में जहरीली गैस की चपेट में आने से दो युवकों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों युवक आभूषण बनाने की फैक्टरी से निकलने वाले सीवर में सोने-चांदी के कणों को जमा करने के लिए उतरे थे। फिलहाल केशवपुरम पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह में रखवा दिया है। मृतकों की पहचान रवि और शाहिद के तौर पर हुई है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्रियों के बीच सड़क पर लगे सीवर के ढक्कन को रवि और शाहिद ने तीन साथियों के साथ मिलकर उठाया। इसके बाद रवि 15 से 20 फीट गहरे सीवर में उतर गया, लेकिन वह अचेत हो गया। इसके बाद शाहिद दोस्त को बचाने के लिए सीवर में गया तो वह भी बेहोश हो गया।

इसके वहां मौजूद तीन युवक शोर मचाते हुए भाग गए। आसपास के लोगों ने किसी के गिरने की आशंका को देखते हुए दमकल को घटना की सूचना दी। दमकल अधिकारी सब आफिसर रणधीर कुमार ने बताया कि सभी एहतियात करने के बाद दमकल टीम सीवर में उतरी। बड़ी मशक्कत के बाद दोनों युवकों को बाहर निकाल कर एम्बुलेंस से अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आसपास पूछताछ करने पर पता चला कि दोनों लिबर्टी सिनेमा के पास खंडहर में रहते थे। 23 वर्षीय रवि का परिवार नांगलोई और 21 वर्षीय शाहिद का इंद्रलोक इलाके में रहता है। दोनों नशे के लिए आदी थे। अक्सर दोनों चाय की दुकान पर आते रहते थे।

बताया जाता है कि घटनास्थल के आसपास सोने और चांदी के आभूषण बनाने की फैक्टरी है। चार-पांच साल से दोनों इस फैक्टरी से निकलने वाले सीवर में उतरकर कीमती धातु के कणों को जमा करते थे।

टेक्सास के चर्च में अंधाधुंध गोलीबारी में पांच साल का बच्चा घायल, महिला हमलावर मारी गई

वॉशिंगटन, एजेंसी। टेक्सास के ह्यूस्टन में रविवार को एक चर्च में गोलीबारी की गई। हालांकि, पुलिस ने गोलीबारी करने वाली महिला को मार गिराया।इस दौरान एक छोटे बच्चे समेत दो लोगों को गोली लगी है।

ये लोग हुए घायल: शहर के पुलिस प्रमुख ट्रॉय फिनर ने बताया कि पांच साल के एक बच्चे की हालत गंभीर है, जबकि कूल्हे में गोली लगने से घायल 57 वर्षीय एक व्यक्ति की हालत स्थिर है। वहीं, लेकवुड चर्च ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दोपहर में बताया कि एक हमलावर द्वारा लगातार गोलियां चलाई जा रही थीं। सूचना पर पुलिस और अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे। फिनर ने बताया कि करीब 30 साल की महिला ने लंबा ट्रेंच कोट पहन रखा था, जिसके हाथ में राइफल और बैग थामा हुआ था। वह चर्च में घुसी और उसके साथ एक बच्चा भी था, जिसकी उम्र करीब पांच साल थी।उन्होंने बताया कि दोपहर एक बजकर 50 मिनट पर जब चर्च में गोलीबारी हुई तब वहां मौजूद दो अधिकारियों ने गोलियां चलाईं और महिला की मौत हो गई। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो सकी है। अधिकारी ने कहा कि अगर कानून अधिकारी बच्चे को घायल करने के लिए जिम्मेदार माने जाते हैं, तो हम उस महिला हमलावर पर बच्चे की जिंदगी खतरे में डालने का आरोप लगाएंगे।

इमरान-नवाज की दुश्मनी में दिवालिया होगा पाकिस्तान, 45 दिन के खर्च का पैसा बचा

इस्लामाबाद, एजेंसी।
पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए। नियम के मुताबिक रात 2 बजे तक नतीजे आ जाने चाहिए थे। हालांकि ऐसा नहीं हुआ। कई घंटों तक चुनाव परिणाम जारी करने पर पाबंदी लगा दी गई। कई जगह नकाबपोश बैलेट बॉक्स लेकर भाग गए, तो कहीं मतदान केंद्रों पर ब्लास्ट और गोलीबारी हुई।

इन सब के बीच जब चुनाव का रिजल्ट आया तो उसमें न तो नवाज और न ही इमरान को बहुमत मिला। नतीजा ये हुआ कि 9 तारीख को पाकिस्तान के शेयर मार्केट में 2 हजार अंकों की भारी गिरावट दर्ज की गई। इसे पाकिस्तान में सियासत की वजह से वहां की अर्थव्यवस्था पर आने वाले संकट का संकेत माना जा रहा है।

क्या नवाज और इमरान की राजनीतिक दुश्मनी में तबाह हो जाएगी पाकिस्तान की इकोनॉमी और इस सियासी उठापटक का पाकिस्तान की अवाम पर क्या असर पड़ेगा? आइए जानते हैं-

पाकिस्तान के पास बचा सिर्फ 45 दिन के खर्च का पैसा। पाकिस्तान के पूर्व वित्त मंत्री हाफिज अहमद पाशा ने चुनाव परिणाम आने से एक दिन पहले देश की अर्थव्यवस्था पर चिंता जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि पाकिस्तान के सरकारी खजाने में सिर्फ 45 दिनों का पैसा बचा है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार इस समय 8 बिलियन डॉलर है, जो करीब डेढ़ महीने तक के सामानों के आयात जितना है। देश के पास कम से कम 3 महीने के सामान के आयात जितना पैसा होना चाहिए।

2024 में पाकिस्तान की जीडीपी महज 2.1त्न की दर से बढ़ने की संभावना है। विकास की ये दर कमजोर सरकार आने पर और नीचे जा सकती है। फिलहाल एक डॉलर की कीमत 276 पाकिस्तानी रुपए के बराबर है।

2022 में इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। पाकिस्तान में राजनीतिक उठापटक की स्थिति थी। इसके चलते महज 4 महीनों में डॉलर की तुलना में पाकिस्तानी करेंसी में 30 रुपए की भारी गिरावट हुई। 1 डॉलर के मुकाबले जनवरी 2022 में पाकिस्तानी रुपए की वैल्यू 174 थी जो मई तक बढ़कर 204 हो गई। इससे साफ है कि अब अगर फिर से पाकिस्तान में राजनीतिक अस्थिरता आई तो इसका असर वहां की करेंसी पर होगा। पाकिस्तान आर्थिक संकट में है। घटते विदेशी मुद्रा भंडार के बीच पाकिस्तान को अगले 2 महीने में 1 बिलियन डॉलर यानी 8.30 हजार करोड़ रुपए का कर्ज चुकाना है। एक तरफ उस पर कर्ज तोड़ने का दबाव है तो वहीं दूसरी ओर 12 अप्रैल 2024 को अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ से उसे 3 बिलियन डॉलर कर्ज मिलने की समय सीमा भी खत्म हो रही है। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय के पूर्व सलाहकार साजिद अमीन ने कहा कि अगर कोई भी पार्टी साधारण बहुमत के साथ सरकार में नहीं आती है तो पाकिस्तान में राजनीतिक और आर्थिक हालात गंभीर हो जाएंगे। जिस तरह के राजनीतिक हालात पाकिस्तान में बने हैं, इसमें सबसे बड़ी समस्या चुनाव की विश्वसनीयता और सरकार की वैधता पर उठने वाले सवाल हैं।

नेपाल में ड्रग्स के साथ 14 भारतीय गिरफ्तार, नशीली दवाओं की तस्करी के तीन अलग-अलग मामले दर्ज

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में नशीली दवाओं की तस्करी के तीन अलग-अलग मामलों में 14 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। सभी धरान शहर से पकड़े गए। आधिकारिक सूचना के मुताबिक चार के कब्जे से 50 किलो हशीश बरामद किया गया तो वहीं दूसरे मामले में 99 किलो ड्रग्स के साथ पांच को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक एक अन्य मामले में 23 वर्षीय भारतीय नागरिक को उसके चार साथियों के साथ नशीली दवाओं सहित पकड़ा है।

अबू धाबी संवाद के 7वें मंत्रिस्तरीय परामर्श में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने लिया भाग: विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (कांसुलर पासपोर्ट और वीजा डिवीजन और प्रवासी भारतीय मामले) मुक्तेश परदेशी ने 10-11 फरवरी को दुबई में आयोजित अबू धाबी संवाद के सातवें मंत्रिस्तरीय परामर्श में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक सचिव परदेशी के साथ विदेश मंत्रालय और केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद रहे।

अबू धाबी के पहले हिंदू मंदिर उद्घाटन: मेहमानों के लिए उपहार बना रहे बच्चे

अबू धाबी, एजेंसी। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में पहले पत्थर वाले हिंदू मंदिर के उद्घाटन की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी है। इसी बीच, यहां 100 से अधिक भारतीय स्कूली बच्चे पत्थरों को चित्रित करने में लगे हुए हैं। दरअसल, यह मंदिर उद्घाटन में शामिल होने वाले सभी मेहमानों को उपहार के तौर पर दिया जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबू धाबी में बोचासनवासी श्री अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) हिंदू मंदिर का उद्घाटन करेंगे, जो संयुक्त अरब अमीरात में पहला पारंपरिक हिंदू पत्थर मंदिर है। बच्चे तीन महीने से हर रविवार को मंदिर स्थल पर पत्थर सेवा कर रहे हैं और अब छोटे खजाने कहे जाने वाले

उपहारों को अंतिम रूप देने में लग गए हैं। 12 वर्षीय तिथि पटेल के लिए, पत्थर सेवा एक वीकेंड एक्टिविटी है, जिसमें उन्हें काफी मजा आता है। तिथि पटेल ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, हमने मंदिर स्थल पर बचे हुए पत्थर और छोटी चट्टानें इकट्ठा कीं। फिर हमने उन्हें धोया और पॉलिश किया, उसके बाद प्राइमर की एक परत लगाई और फिर पेंट किया। प्रत्येक चट्टान पर एक तरफ एक प्रेरक उद्धरण है और दूसरी तरफ मंदिर के किसी हिस्से को चित्रित किया गया है। 8 वर्षीय रेवा करिया, जिन्होंने इस रविवार को पत्थरों को उपहार बक्सों में पैक किया है, उन्होंने बताया कि उन्होंने उपहार का नाम छोटा खजाना रखा है क्योंकि बच्चे उन्हें अपने छोटे हाथों से इसे बना रहे हैं। उन्होंने कहा, यह पत्थर मेहमानों को भव्य मंदिर की उनकी पहली यात्रा की याद दिलाएगा। मेरे लिए, यह टीम वर्क, दोस्तों के साथ वीकेंड सैर और एक रचनात्मक गतिविधि का अनुभव रहा है। मैं यहां अपने माता-पिता के साथ आती हूं और वे मंदिर के कुछ हिस्सों में अपनी सेवा भी देते हैं। 11 वर्षीय अर्णव ठक्कर ने कहा कि पत्थरों पर चित्रित किए जा रहे डिजाइन पुष्टि के प्रतिबिंब हैं और शांति, प्रेम और सद्भाव का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा, उन्हें बाद में वार्निश किया जाता है, ताकि वे मंदिर के रूप में कई वर्षों तक टिक सकें। ठक्कर ने कहा कि वे इस गतिविधि को कुछ महीनों तक जारी रखेंगे, ताकि जब मंदिर जनता के लिए खोला जाए तो शुरुआती महीनों में आगंतुकों को भी यह उपहार मिल सके।

दुबई-अबू धाबी शेख जायद राजमार्ग पर अल रहबा के पास, अबू मुरीखा में स्थित बीएपीएस हिंदू मंदिर, अबू धाबी में लगभग 27 एकड़ भूमि पर बनाया गया है और इसे 2019 से बनाया जा रहा है। मंदिर के लिए संयुक्त अरब अमीरात सरकार द्वारा दान दिया गया था। संयुक्त अरब अमीरात में तीन अन्य हिंदू मंदिर हैं, जो दुबई में स्थित हैं। प्रधानमंत्री मोदी मंगलवार से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की दो दिवसीय यात्रा करेंगे, इस दौरान वह 14 फरवरी को भव्य मंदिर का उद्घाटन करेंगे।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय

कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।